राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 11 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-202 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद सबसे खतरनाक हालात

- पोलैंड ने 3 रूसी ड्रोन मार गिराए,टस्क ने सभी सहयोगी कहा एकजुट हो जाओ

मास्को(एजेंसी)। पोलैंड ने बुधवार को अपने हवाई क्षेत्र में घुसे 3 रूसी ड्रोन को मार गिराया। यह पहली बार है जब नाटो के किसी देश ने रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इस तरह की कार्रवाई की। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि रात में 19 बार हवाई क्षेत्र का उल्लंघन हुआ। उन्होंने नाटो के नियम 4 को लागू किया, जिसके तहत सहयोगी देशों से सलाह मांगी जा सकती है।

टस्क ने कहा, हम युद्ध के कगार पर नहीं हैं, लेकिन स्थिति पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे खतरनाक स्थिति है।

- नाटो और यूरोप का समर्थन मांगा- नाटो ने पोलैंड की रक्षा में मदद की पुष्टि की। नाटो के प्रवक्ता ने कहा कि 32 देशों के दूत इस मामले पर चर्चा करेंगे।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने 415 ड्रोन और 40 मिसाइलों से हमला किया, जिनमें से 8 ड्रोन पोलैंड की ओर भेजे गए। उन्होंने इसे यूरोप के लिए खतरनाक बताया और सभी सहयोगियों से एकजुट जवाब की मांग की।

नेपाल के बाद अब फ्रांस में बवाल, सरकार के खिलाफ उतरे प्रदर्शनकारी

1 लाख लोग सड़कों पर, आगजनी

80 हजार पुलिसकर्मी तैनात, 200 उपद्रवी गिरफ्तार

पेरिस (एजेंसी)। नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी सरकार के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बजट में कटौती के खिलाफ और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोग बुधवार को सड़क पर आ गए।

गृह मंत्री ब्रूनो रेतेयो ने बताया,प्रदर्शनकारियों ने रेन शहर में एक बस को आग लगा दी। दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने के बाद ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। गृह मंत्री ने प्रदर्शनकारियों पर विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फ्रांस बंद का आह्वान लेफ्ट पार्टियों ने किया है। इस प्रदर्शन को 'ब्लॉक एवरीथिंग' नाम दिया गया। सरकार ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया है। अब तक 200 से ज्यादा उपद्रवी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर आगजनी कर टैफिक को रोकने की कोशिश की है, जिसे पुलिस और दमकलकर्मी ने हटा दिया गया था।

नेपाल अब सेना के कब्जे में

सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें, 27 उपद्रवी गिरफ्तार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का बुधवार को तीसरा दिन था हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी थी।

प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं।

इसके अलावा 23 बंदूकें, मैगजीन और गोलियों सहित 31 अलग-अलग तरह के हथियार भी जब्त किए गए हैं। केपी शर्मा ओली पीएम पद से इस्तीफा देकर काठमांडू छोड़ चुके है। यहां हिंसक प्रदर्शन में अब तक 30 लोगों की मौत हुई, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं।

ट्रम्प बोले-मोदी अच्छे दोस्त, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा

- मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे।ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। पीएम मोदी बोले- मैं इंतजार कर रहा हूं, बेहतर डील करने के लिए टीमें बात कर रहीं हैं।

रायबरेली में राहुल गांधी बोले-

बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है

रायबरेली/लखनऊ (एजेंसी)। रायबरेली में राहुल गांधी ने प्रजापति समाज के सम्मेलन में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- देश में 90 फीसदी आबादी ओबीसी, दलित और आदिवासियों की है। लेकिन ये भाजपा-आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि ये कभी आगे बढ़ें। बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है।

ये चाहते हैं कि दलित वहीं पर रहे, अंबानी जहां हैं वहीं पर रहें। प्रधानमंत्री मोदी खुद ओबीसी हैं, लेकिन जाति जनगणना पर कुछ नहीं बोलते। मैंने संसद में इसपर सवाल किया तो वे डेढ़ घंटे तक भाषण देते रहे लेकिन जाति जनगणना पर एक भी शब्द नहीं बोले।बुधवार सुबह साढ़े 8 बजे राहुल गांधी दिल्ली स्थित अपने आवास से रायबरेली के लिए रवाना हुए थे। दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट लेकर लखनऊ पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे थे। रास्ते में राहुल गांधी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा।

हेमामालिनी वृंदावन की भीषण बाढ़ देखने निकलीं

बच्चे को गोद में उठाया, पीड़ितों को खाना परोसा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में गंगा, यमुना समेत नदियों का बढ़ता जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50 प्रतिशत इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया। बस स्टैंड पर खड़ी बसें बाढ़ के पानी से आधी डूब गईं।

सांसद हेमामालिनी वृंदावन के बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंची और हालचाल जाना। पूछा- खाना और दूध मिल रहा है कि नहीं। इसके बाद बच्चे को गोद में उठाकर दुलारा। उसके बाद मां से नाम पूछा तो बताया कृष्णा। उसके बाद रेस्क्यू किए गए पशुओं को चारा खिलाया। आगरा में हाथी घाट तक यमुना की बाढ़ पहुंच गई है। श्मशान घाट डूब गए हैं। ऐसे में लोगों को सड़क किनारे अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। 25 कॉलोनियों में बाढ़ का पानी घुसने से करीब 4000 परिवार के लोग प्रभावित हो गए हैं। सोमवार को किला घाट पर सड़क पर जलभराव के बीच एक घोड़ा गाड़ी पलट गई। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।वहीं मध्य प्रदेश से 14 फीट लंबा मगरमच्छ बहकर सोनभद्र पहुंच गया।

पूर्व बीजेपी विधायक गुंडप्पा वकील डिजिटल अरेस्ट ठगी के शिकार, 30 लाख गंवाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के औरद से पूर्व बीजेपी विधायक गुंडप्पा वकील के साथ साइबर ठगी हुई। स्कैम में फंसकर पूर्व विधायक ने 30.99 लाख गंवा दिए। पुलिस के मुताबिक, ठगों ने खुद को सीबीआई, ईडी के अधिकारी और जज बताया था। उन्होंने वकील पर जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्हें डिजिटल अरेस्ट में रखा।ठगों ने नकली ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई भी की। भाजपा विधायक ने पहले 10 लाख, फिर 20 लाख रुपये और ट्रांसफर कर दिए। वकील की शिकायत पर सीसीबी साइबर क्राइम पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दो महीने पहले भी रमनगर जिले में इसी तरह के डिजिटल अरेस्ट में फंसाकर एक बीईएसकॉम कांट्रैक्ट कर्मचारी ने आत्महत्या की थी।

महागठबंधन में 70 सीटों पर अड़ी कांग्रेस

- प्रियंका गांधी सितंबर में बिहार का दौरा करेंगी,तेजप्रताप बोले- कोमा में जा चुकी सरकार को उखाड़ फेंकना है

पटना (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की सियासत में सरगर्मी तेज हो गई। राजनीतिक दल पूरी तरह से एक्टिव हो चुके हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। राजनीतिक पार्टियां चुनावी मैदान में उतरने के लिए रणनीति तैयार करने में जुटी हैं। दिल्ली में कांग्रेस की बैठक हुई। महागठबंधन में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं बिहार में सियासी पकड़ मजबूत करने के लिए सितंबर महीने में प्रियंका गांधी भी बिहार दौरे पर आ सकती हैं।

70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस-बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस ने सीट बंटवारे पर अपनी रणनीति साफ कर दी है। को पार्टी की दिल्ली में बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि बिहार में कांग्रेस 70 से कम सीटों पर नहीं मानेगी।

पार्टी का दावा है कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बाद पूरे बिहार में माहौल बदला है। इस यात्रा के बाद से पार्टी में उत्साह है।

ईडी ने 86 हजार करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कर्नाटक विधायक को गिरफ्तार किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध कच्चा लोहा एक्सपोर्ट मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में कर्नाटक के करवार से विधायक सतीश कृष्णा सेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें कल देर रात ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय द्वारा हिरासत में लिया गया और आज अदालत में पेश किया जाएगा। यह गिरफ्तारी 13 और 14 अगस्त, 2025 को करवार (उत्तर कन्नड़), गोवा, मुंबई और नई दिल्ली में कई स्थानों पर पीएमएलए, 2002 के तहत की गई तलाशी बाद हुई है। जांचकर्ताओं ने पाया कि सतीश सेल ने व्यावसायिक इकाइयों और बंदरगाह अधिकारियों के साथ मिलीभगत से 86.78 करोड़ रुपए के एक्सपोर्ट को सुविधाजनक बनाया जो अंकोला वन विभाग के जब्ती आदेशों के अधीन था।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को मिला मरणोपरांत पीवी नरसिम्हा राव स्मृति अर्थशास्त्र पुरस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को भारत के आर्थिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए पीवी नरसिम्हा राव मेमोरियल अवॉर्ड से मरणोपरांत सम्मानित किया गया है।

हैदराबाद स्थित पीवी नरसिम्हा राव मेमोरियल फाउंडेशन (पीवीएनएमएफ) ने बताया- यह पुरस्कार उनकी ओर से उनकी पत्नी गुरशरण कौर द्वारा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में पिछले सप्ताह प्राप्त किया।पूर्व योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस के विशिष्ट फेलो मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने इसे प्रदान किया। यह पुरस्कार पीवीएनएमएफ द्वारा अर्थशास्त्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए स्थापित किया गया है।

कैबिनेट ने बिहार में दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

7616 करोड़ का निवेश होगा, भागलपुर से रामपुरहाट तक रेलवे लाइन भी बनेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। बैठक में 7616 करोड़ रुपए के निवेश वाली बिहार में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इसमें बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के फोर लेन ग्रीनफील्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को मंजूरी दी गई। यह प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत बनाई जाएगी, जिसकी कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर और कुल 4447.38 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

इसके अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किमी) के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी गई है, जिसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

मोकामा-मुंगेर हाईवे मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे शहरों से होकर गुजरेगा और भागलपुर को जोड़ेगा। पूर्वी बिहार में मुंगेर-जमालपुर-भागलपुर बेल्ट एक प्रमुख इंडस्ट्रियल एरिया बन रहा है।

यहां पर बंदूक कारखाना और रक्षा मंत्रालय द्वारा आयुध कारखाना बनने वाला है। इसके अलावा जमालपुर में लोकोमोटिव वर्कशॉप, मुंगेर में आईटीसी और संबंधित रसद और भंडारण केंद्र हैं।

वहीं, भागलपुर में भागलपुरी सिल्क से जुड़े कारखाने बन रहे हैं। बड़हिया खाद्य पैकेजिंग, प्रसंस्करण और कृषि-गोदाम के लिए एक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

पटना में बर्खास्त संविदा कर्मचारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में बुधवार को बर्खास्त संविदा कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पुलिस की कार्रवाई में कुछ कर्मचारियों को चोट भी आई है।

कर्मचारी समान काम, समान वेतन और 60 साल नौकरी की मांग कर रहे हैं। हड़ताल पर जाने के बाद से 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया है। ये लोग 26 दिनों से पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं।फिलहाल सभी बर्खास्त संविदा कर्मियों को बीजेपी ऑफिस से हटा दिया गया है। ये लोग वापस गर्दनीबाग जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श पर राष्ट्रवाद की जीत ने कई संदेश दिये

नीरज कुमार दुबे

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये।

उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने भारतीय राजनीति में कई नये संकेत दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने विपक्षी खेमे के साझा प्रत्याशी और पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को मात देकर देश के 15वें उपराष्ट्रपति पद पर विजय हासिल की। यह विजय कई मायनों में खास है क्योंकि 452 बनाम 300 वोट का अंतर केवल एक चुनावी आँकड़ा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की नयी दिशा की ओर इशारा करता है।

विपक्षी एकता तार-तार

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये। यही घटना विपक्षी गठबंधन की एकता पर गहरे सवाल खड़े करती है। दरअसल, इस परिणाम ने विपक्षी दलों की आंतरिक असहमति और पारस्परिक अविश्वास को उजागर कर दिया है।

राष्ट्रवादियों की जीत के मायने

उधर, राधाकृष्णन ने अपनी जीत को 'राष्ट्रवादियों की जीत' बताया है। इसका सकारात्मक अर्थ यह है कि एनडीए की राजनीति केवल चुनावी अंकगणित तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्रवादी विचारधारा को जनता और सांसदों के बीच एक व्यापक स्वीकृति दिलाने में सफल रहा है। देखा जाये तो हाल के वर्षों में विपक्ष ने अपनी राजनीति का केन्द्र सत्ता विरोध तक सीमित कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप, नकारात्मक प्रचार और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने की परंपरा बनती जा रही है। संसद से लेकर न्यायपालिका और चुनाव आयोग तक, विपक्ष की ओर से लगातार यह प्रयास देखा गया है कि जनता के मन में इन संस्थानों के प्रति अविश्वास पैदा किया जाए। यही कारण है कि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए मतदान नहीं था, बल्कि यह उस नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श के खिलाफ एक जनादेश की तरह सामने आया।

सी.पी. राधाकृष्णन की ऐतिहासिक जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की राजनीति में राष्ट्रवाद की विचारधारा ही जनता के विश्वास की धुरी है। विपक्ष भले ही इसे 'संख्या का खेल' बताने का प्रयास करे, लेकिन तथ्य यह है कि क्रॉस वोटिंग और विपक्षी खेमे में बिखराव ने उनकी एकता की पोल खोल दी। यह संदेश दूर तक गया है कि जब बात राष्ट्रहित और स्थिरता की आती है तो विपक्षी दलों के भीतर भी कई लोग एनडीए के साथ खड़े होना पसंद करते हैं।

यह जीत विपक्ष द्वारा रची जा रही उस नकारात्मक छवि को भी ध्वस्त करती है जिसमें संवैधानिक पदों को मात्र राजनीतिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। राधाकृष्णन ने इसे राष्ट्रवाद की जीत कहा है और इसमें गहरा संदेश छिपा है। दरअसल, यह जीत उन लोगों के लिए आश्वस्ति है जो मानते हैं कि लोकतंत्र में विरोध जरूरी है लेकिन विरोध की आड़ में देश की संस्थाओं को कमजोर करना आत्मघाती है। देखा जाये तो उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रवादियों की जीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर करारा जवाब है।

तमिलनाडु की राजनीति पर क्या असर होगा?

इसके अलावा, उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन की जीत का गहरा असर तमिलनाडु की राजनीति पर भी पड़ने वाला है। तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति का गढ़ रहा है, जहां भाजपा अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। लेकिन राधाकृष्णन जैसे वरिष्ठ और लोकप्रिय नेता का इस संवैधानिक पद तक पहुँचना भाजपा और एनडीए के लिए एक मनोबलवर्धक उपलब्धि है। सबसे पहले, यह जीत भाजपा को तमिलनाडु में राजनीतिक स्वीकार्यता दिलाती है। अब भाजपा केवल 'बाहरी ताकत' नहीं, बल्कि तमिलनाडु से जुड़ा चेहरा रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी। राधाकृष्णन की साफ-सुथरी छवि और जमीनी पकड़ भाजपा को उन मतदाताओं के बीच पहुँचाने में मदद करेगी जो अब तक द्रविड़ पार्टियों के बीच उलझे रहे। जब तमिलनाडु के मतदाता देखेंगे कि उनके ही राज्य से आया एक नेता राष्ट्रीय राजनीति में इतना बड़ा पद हासिल कर रहा है, तो उन्हें भाजपा की प्रासंगिकता का अहसास होगा। यह विजय यह भी संदेश देती है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं है। दक्षिण भारत में भी भाजपा का राजनीतिक विस्तार संभव है। राधाकृष्णन की जीत से एनडीए को स्थानीय सहयोगी दलों के साथ तालमेल मजबूत करने में मदद मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर बढ़ाने का आधार बनेगा।

देखा जाये तो तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती डीएमके और एआईएडीएमके जैसी स्थापित द्रविड़ पार्टियां रही हैं। लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव ने दिखा दिया कि भाजपा अब 'किनारे की खिलाड़ी' नहीं रही, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। यह जीत भाजपा-एनडीए कार्यकताओं को जोश से भर देगी और जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु का नेता इतना बड़ा पद हासिल कर सकता है तो राज्य की राजनीति में भी भाजपा का भविष्य सुरक्षित है। राधाकृष्णन की जीत भाजपा और एनडीए के लिए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक पूंजी बनकर सामने आएगी, जो दक्षिण में पार्टी के विस्तार की दिशा में निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

क्षेत्रीय दलों ने क्या संदेश दिया?

इसके अलावा, इस चुनाव में क्षेत्रीय दलों का रुख भी महत्वपूर्ण रहा। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन किया, ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस ने मतदान से अनुपस्थित रहकर अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए की मदद की। यह स्थिति साफ दिखाती है कि राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए की पकड़ मजबूत हो रही है और कई क्षेत्रीय दल अवसरवादी राजनीति की बजाय केंद्र की स्थिरता और शक्ति संतुलन के साथ खड़े होने का संकेत दे रहे हैं। यह संदेश विपक्षी खेमे के लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।

बिहार चुनाव पर क्या असर होगा?

यही नहीं, उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की इस बड़ी जीत के राजनीतिक निहितार्थ बिहार तक भी पहुँचते हैं, जहाँ निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। एनडीए की यह जीत विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों को उजागर करती है और बिहार में भाजपा-जदयू की साख को और मजबूत करती है। यह परिणाम बताता है कि केंद्र से लेकर राज्य तक एनडीए अपनी पकड़ बनाये हुए है और विपक्षी दलों का 'एकजुट मोर्चा' केवल घोषणाओं तक ही सीमित है।

बहरहाल, सी.पी. राधाकृष्णन की जीत केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति में एनडीए की बढ़ती धमक, विपक्षी खेमे में बिखराव और राष्ट्रवादी विचारधारा की स्वीकृति का प्रतीक है। दक्षिण में भाजपा के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, क्षेत्रीय दल एनडीए के प्रति झुकाव दिखा रहे हैं और विपक्षी एकता का दावा खोखला साबित हुआ है। यह सब मिलकर राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए को एक और मजबूत स्थिति में खड़ा कर देता है।

संपादकीय

जेन-जी की बगावत

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है। पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है। उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं। चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटॉक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटॉक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार, रितखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकर्षण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराजगी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिमार्ताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

एशियाई हॉकी : पूरी लय में है भारतीय टीम

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय हॉकी टीम राजगीर में एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप होने से कुछ पहले तक उसे अच्छे प्रदर्शन के लिए याद नहीं किया जा रहा था।

वैसे भी भारतीय टीम फाइनल जैसे महत्त्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नहीं जानी जाती है, लेकिन इस चैंपियनशिप के फाइनल में पिछली चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे लगने लगा है कि टीम फिर से ऊंचाइयों की तरफ बढ़ने के लिए तैयार है। भारत ने दक्षिण कोरिया पर 4-1 से जीत पाकर चौथी बार एशिया कप खिताब ही नहीं जीता बल्कि अगले साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के बाद यहां आई थी। इस लीग के आखिरी यूरोपीय चरण में भारत ने आठ में से सात मैच हारकर बेहद निराश कर दिया था। इस प्रदर्शन की वजह से टीम नौ टीमों की लीग में आठवें स्थान पर रही। वह रेलीगेट होने से एक स्थान से बच गई। इसकी वजह से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक दिलाने वाले कोच क्रेग फुल्टोन की काबिलियत पर भी सवाल उठने लगे थे। एशिया कप में भारत के शुरूआती प्रदर्शन से स्थिति और बिगाड़ दी।

इन प्रदर्शनों को देखने से भारत की क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जाने लगा, लेकिन भारत ने सुपर फोर में चीन के खिलाफ और फिर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से अपनी फिर से धमक बना दी। भारतीय कोच एफआईएच प्रो लीग में भारतीय प्रदर्शन के बारे में कहते हैं कि इसमें खेले तो अच्छा पर नतीजे अच्छे नहीं निकाल सके। फुलटोन ने कहा, ह्यहम एफआईएच प्रो लीग में खेले तो अच्छा पर परिणाम अच्छे नहीं निकाल सके। पर हमने इसके बाद खामियों पर काम किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हाल-फिलहाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।ह्ल सही मायनों में इस ऑस्ट्रेलियाई दौरे ने ही एशिया कप की सही तैयारी कराकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब इस प्रदर्शन के बाद देश के हॉकीप्रेमी फिर से उत्साहित हो गए हैं और उन्हें टीम पर भरोसा बन गया है कि हम फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झंडे गाड़ेंगे। भारत ने चीन हो या दक्षिण कोरिया दोनों के ही खिलाफ आक्रामक अंदाज में शुरूआत करके पहले कुछ मिनटों में गोल जमाकर खेल पर दबदबा बनाने की रणनीति अपनाई और यह रणनीति कारगर साबित हुई।

हरमनप्रीत की अगुआई वाला डिफेंस हो या अभिषेक की अगुआई वाली अग्रिम पंक्ति बहुत दमदार नजर आई। हरमनप्रीत का हमलों में आगे तक जाना और अभिषेक का डिफेंस के समय सर्किल में रहना टीम की फिटनेस का बताता है। वहीं जर्मनप्रीत, हार्दिक सिंह की अगुआई वाली हाफ लाइन भी गेंद को लगातार आगे रखने में सक्षम नजर आई। भारतीय टीम यदि इसी तरह खेलती रही, तो बहुत संभव है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक का रंग बदल जाए और अगले साल विश्व कप में भारतीय टीम पोडियम पर चढ़ती नजर आए। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करती नजर आई। आखिर में वह एक इकाई के तौर पर खेलती दिखी।

क्रेग फुल्टोन के कोच के रूप में आने के बाद भारतीय टीम एरियल पासों का इस्तेमाल करने लगी है। आमतौर पर एशिया की टीमें एरियल पासों वाले खेल को कम ही खेलती दिखती रहीं हैं। पर भारतीय टीम का अब यह भी प्रमुख अस्त्र बन गया है। इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने महारत हासिल कर ली। उनके नपे-तुले स्कूपों पर कई बार प्रतिद्वंद्वी ठगे से नजर आए। दक्षिण कोरिया भी इस खूबी की वजह से मैच में अधिकांश समय बचाब करती नजर आई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत वैसे तो किसी तारीफ के मोहताज नहीं हैं। वह पिछले पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल जमाने वाले रहे हैं। वह अनुभव के साथ निरंतर निखरते नजर आ रहे हैं। पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल जमाने में तो वह महारत रखते ही हैं। साथ ही हमले बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रहने लगी है। भारत का पहले मिनट में खाता खुलवाने में भी उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने पहले ही मिनट में कोरियाई डिफेंस को छकाते हुए सर्किल में खड़े सुखजीत को

पास दिया और उन्होंने रिवर्स शॉट से गोल भेद दिया। भारत के चौथे गोल को जमाया भले ही अमित रोहिदास ने पर इसमें भी हरमनप्रीत की भूमिका बेहद खास रही। क्रेग फुलटोन ने कहा, ह्यमैंने पहले कहा था कि हम एशिया में नंबर एक बनना चाहते हैं और टीम में गहराई लाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम वहां पहुंच रहे हैं। हमने अच्छी तैयारी की और अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ी बेहद समझदार हैं। इसलिए वह जो भी कोशिश करते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। हम विरोधी टीम के साथ अपनी टीम पर भी बहुत होम वर्क करते हैं और यह उसका ही परिणाम है।ह्ल भारत के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने से अब उन्हें इसकी तैयारी के लिए पूरा एक साल मिलेगा। इसका हम सही उपयोग कर सकें तो 1975 के बाद पहली बार भारत खिताब की उम्मीद कर सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चा तेल 49 रुपये चढ़ा

नई दिल्ली । कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले के बाद पश्चिम क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने की चिंताओं के बीच बुधवार को वायदा बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 49 रुपये बढ़कर 5,593 रुपये प्रति बैरल हो गईं।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सितंबर डिलिवरी के लिए सबसे अधिक कारोबार वाले कच्चे तेल के वायदा भाव 49 रुपये या 0.88 प्रतिशत बढ़कर 5,593 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 10,812 लॉट के लिए कारोबार हुआ।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 1.18 प्रतिशत बढ़कर 63.37 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.17 प्रतिशत बढ़कर 67.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

यूरोपीय संघ ने 102 नए भारतीय मत्स्य प्रतिष्ठानों को निर्यात के लिए मान्यता दी

नई दिल्ली । यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत के 102 नए मत्स्य प्रतिष्ठानों को अपने सदस्य देशों को समुद्री खाद्य निर्यात के लिए मान्यता प्रदान की है। यह कदम भारत के समुद्री खाद्य उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि इस निर्णय से भारत की खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आश्वासन प्रणालियों पर यूरोपीय संघ का विश्वास बढ़ा है। विशेष रूप से जलीय कृषि के झींगे और सेफेलोपोड्स जैसे स्क्विड, कटल फिश और ऑक्टोपस के निर्यात में वृद्धि होगी। इससे भारत को यूरोपीय और अन्य विदेशी बाजारों में प्रवेश के नए अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही इस उद्योग में रोजगार के अवसर भी बढ़ने की संभावना है, जो आर्थिक विकास के लिए सहायक होगा। यह कदम भारत के निर्यात क्षेत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मास्टेक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सबसे बड़ा डिविडेंड घोषित किया

नई दिल्ली । आईटी कंपनी मास्टेक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी ने अप्रैल 2025 में 16 रुपए प्रति शेयर (320 फीसदी) फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया था। डिविडेंड पाने वाले निवेशकों का चयन करने के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 12 सितंबर 2025, शुक्रवार निर्धारित की है। इस दिन जिन निवेशकों के नाम शेयर कंपनी के रिकॉर्ड में होंगे, वे डिविडेंड के हकदार होंगे। मास्टेक का यह फाइनल डिविडेंड कंपनी की 43वीं वार्षिक आम बैठक में मंजूर किया जाएगा, जो 23 सितंबर 2025 को आयोजित होगी। एजीएम में मंजूरी मिलने के बाद डिविडेंड का भुगतान 30 दिनों भीतर निवेशकों को कर दिया जाएगा। यह कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड है, जो निवेशकों के लिए खास खुशखबरी है।

एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ 11 से खुलेगा

नई दिल्ली। एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का इश्यू जल्द खुलने वाला है। अगर आईपीओं में निवेश की योजना बना रहे है तो कंपनी का रुपए 91.10 करोड़ का यह एसएमई आईपीओ 11 सितंबर 2025 से निवेशकों के लिए खुलेगा और 15 सितंबर तक इसमें पैसा लगाया जा सकेगा। इस इश्यू का प्राइस बैंड रुपए 133 से रुपए 140 प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 18 सितंबर को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर होने की संभावना है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम रुपए 150 तक पहुंच चुका है। इसका मतलब है कि लिस्टिंग के समय निवेशकों को अपने निवेश पर 107 प्रतिशत से अधिक का संभावित रिटर्न मिल सकता है। कंपनी का मुख्यालय चेन्नई में है और यह भारतीय रेलवे द्वारा उपयोग किए जाने वाले रोलिंग स्टॉक के कलपुर्जों के निर्माण का काम करती है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर शुरू

- ट्रंप ने मोदी को बताया अच्छा दोस्त

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए घोषणा की है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि दोनों देश व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया और कहा कि वह जल्द ही उनसे बातचीत के लिए उत्सुक हैं। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को 'महान प्रधानमंत्री' करार देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। उन्होंने कहा` कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के लिए व्यापार वार्ता सफल रहेगी। ट्रंप के इस नरम रुख के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी बातों की सराहना की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बताया। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूरा समर्थन करता हूं। यह कदम अमेरिका की ओर से हाल ही में टैरिफ बढ़ाने के बाद आया है। 27 अगस्त को अमेरिकी प्रशासन ने भारत से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। यह निर्णय भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने के कारण लिया गया था। इसके कारण दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया था। अब व्यापार वार्ता के फिर से शुरू होने से उम्मीद जताई जा रही है कि इस तनाव को कम किया जा सकेगा और द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आएगी।

फिच ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स के लेटेस्ट ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार, भारत भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच मजबूती का प्रदर्शन कर रहा है और अगले तीन वर्षों में देश 6 प्रतिशत से ऊपर की विकास दर बनाए रखने का अनुमान है।2025 की दूसरी तिमाही के मजबूत परिणाम को देखते हुए फिच ने मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए अपने पूर्वानुमान को जून की रिपोर्ट के 6.5 प्रतिशत से संशोधित कर 6.9 प्रतिशत कर दिया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग विकास का प्रमुख चालक होगी, क्योंकि मजबूत वास्तविक आय गतिशीलता उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देगी और लूजर फाइनेंशियल कंडीशन निवेश को बढ़ावा देगी। फिच के नोट के अनुसार, भारत में वार्षिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 6.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है और अर्थव्यवस्था अपनी क्षमता से थोड़ा ऊपर चल रही है। फिच ने कहा, हमें लगता है कि वित्त वर्ष 28 में वृद्धि दर घटकर 6.2 प्रतिशत रह जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें अब भी उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करेगा, क्योंकि वह पहले से लागू की गई नीतिगत ढील के प्रभाव का आकलन कर रहा है और दरें 2026 के अंत तक स्थिर रहेंगी।

उज्जीवन एसएफबी का शेयर 7.4 फीसदी बढ़ा

बैंक का परिसंपत्ति पर रिटर्न को 1.8-2 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । बीएसई पर उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर में 8 फीसदी तक तेजी आई और अंत में 7.4 फीसदी बढ़त के साथ 47.45 रुपये पर बंद हुआ। यह बढ़त बाजार के प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी के केवल 0.39 फीसदी सुधार से काफी अधिक थी। निवेशकों में बैंक की वित्त वर्ष 2030 तक की दीर्घकालिक विकास योजना को लेकर सकारात्मक उत्साह देखा गया। बैंक ने वित्त वर्ष 2030 तक को 'हाई ग्रोथ फेज' करार देते हुए सुरक्षित और विविध ऋण पोर्टफोलियो पर जोर दिया है। वर्तमान में बैंक के कुल ऋण का 46 फीसदी हिस्सा सुरक्षित ऋणों का है, जिसे बढ़ाकर 65-70 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है। किफायती आवास और संपत्ति पर सूक्ष्म ऋण बैंक के दो मुख्य विकास इंजन होंगे, जिनमें लगभग 30 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर की उम्मीद है। उज्जीवन का लक्ष्य है कि वह वित्त वर्ष 2030 तक अपनी सकल ऋण बुक को 1 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाए, जो वर्तमान में लगभग 33,300 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही बैंक अपने जमा आधार को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। चालू खाता बचत खाता की भागीदारी 2025 के 25.5 फीसदी से बढ़ाकर 2030 तक 35 फीसदी करने का लक्ष्य है। बैंक 400 नई शाखाएं खोलकर कुल शाखाओं की संख्या 1,150 तक ले जाएगा। बैंक ने परिसंपत्ति पर रिटर्न को 1.8-2 फीसदी और पूंजी पर रिटर्न को 16-18 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद

मुंबई।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और जीएसटी को रेशनलाइज बनाने को लेकर आशावाद के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान में बंद हुआ।

कारोबार के अंत में 323.83 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,425.15 पर बंद हुआ। आईटी और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी के बीच 30 शेयरों वाला यह सूचकांक पिछले सत्र के 81,101.32 के बंद भाव के मुकाबले 81,504.36 पर अच्छी बढ़त के साथ खुला। सूचकांक ने दिन के कारोबार में 81,643.88 का उच्चतम स्तर छुआ।

निफ्टी 104.50 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,973.10 पर बंद हुआ।

विश्लेषकों ने कहा, भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ताओं को लेकर नए सिरे से आशावाद ने मार्केट सेंटीमेंट को मजबूत किया है। जीएसटी को रेशनलाइज बनाने और मौद्रिक नरमी के लाभों से वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही की बेहतर आय की उम्मीद, मूल्यांकन को मजबूती प्रदान कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि अगले सप्ताह फेड द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती और टेक्नोलॉजी खर्च में सुधार की उम्मीदों के चलते आईटी सूचकांक ने अपने बेहतर प्रदर्शन को जारी रखा।

निवेशक टैरिफ संबंधी मुद्दों के समाधान के संकेतों के लिए भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, आईटीसी और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स रहे। वहीं, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और पावरग्रिड टॉप लूजर्स रहे।

अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांकों ने सत्र का अंत सकारात्मक रुख के साथ किया। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 161.80 अंक या 0.62 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 359.60 अंक या 0.64 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 927.90 अंक या 2.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। मुनाफावसूली के बीच निफ्टी ऑटो 348.55 अंक या 1.28 प्रतिशत गिर गया।

ब्रॉडर मार्केट ने भी यही रुख अपनाया। निफ्टी बैंक 319.90 अंक या 0.59 प्रतिशत, निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 130.30 अंक या 0.73 प्रतिशत, निफ्टी मिडकैप 100 में 535.20 अंक या 0.93 प्रतिशत और निफ्टी बैंक ने 319.90 अंक या 0.59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

इसरो के साथ समझौता....फिर क्या भाग पड़े हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर

मुंबई ।

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयर बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। बुधवार को इंट्रा डे में एचएएल का शेयर बीएसई पर 1.12 प्रतिशत चढ़कर 4,503.55 पर ट्रेड कर रहा था। दरअसल, कंपनी ने बताया कि उसने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस), न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। यह समझौता स्मॉल सैटेलाइट लांच व्हीकल (एसएसएलवी) तकनीक के लिए है।

एसएसएलवी एक तीन-स्टेज रॉकेट है, जिसे 500 किलोग्राम से कम वज़न वाले सैटेलाइट को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लिओ) में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस करार के तहत एचएएल पहले दो साल तक इस तकनीक को ऑब्जर्व करेगा, इसके बाद 10 साल का प्रोडक्शन फेज होगा। एचएएल ने बताया कि इस समझौते से उसे एसएसएलवी टेक्नोलॉजी का नॉन-एक्सक्लूसिव और नॉन-ट्रांसफरेबल लाइसेंस मिला है। इसमें डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, क्वालिटी कंट्रोल, इंटीग्रेशन, लांच ऑपरेशन, पोस्ट-फ्लाइट एनालिसिस डॉक्यूमेंटेशन, ट्रेनिंग और सपोर्ट शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि आगे चलकर एचएएल की जिम्मेदारी होगी कि वह एसएसएलवी का बड़े पैमाने पर उत्पादन करे, ताकि भारतीय और वैश्विक मांगों को पूरा किया जा सके।

इस ट्रांसफर के बाद अब एचएएल को लांच व्हीकल बनाने, उसका मालिकाना हक रखने और खुद ऑपरेट करने की आजादी मिल गई है। यह कदम एचएएल की उस लंबी रणनीति से मेल खाता है, जिसमें कंपनी एक अलग स्पेस वर्टिकल खड़ा करना चाहती है। इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से एचएएल सिर्फ कंपोनेंट सप्लायर से आगे बढ़कर एक पूरी लॉन्च सर्विस प्रोवाइडर और तेजी से बढ़ते छोटे सैटेलाइट मार्केट की बड़ी खिलाड़ी बन सकेगी।

पिछले एक महीने में एचएएल के शेयर लगभग फ्लैट रहे हैं, जबकि तीन महीने में इनमें 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, पिछले छह महीनों में इस पीएसयू डिफेंस स्टॉक ने 32 प्रतिशत की जोरदार रैली दिखाई है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड इनफ्लो अगस्त में 33,430 करोड़ रुपए रहा, गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा : एम्फी

नई दिल्ली।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में इनफ्लो अगस्त में 33,430.37 करोड़ रुपए रहा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से बुधवार को दी गई। एम्फी के द्वारा जारी किए गए डेटा में बताया गया कि बीते महीने लार्ज-कैप फंड्स में रिकॉर्ड 2,834.88 करोड़ रुपए का फंड आया है। मिड-कैप कैटेगरी में 5,330.62 करोड़ रुपए और स्मॉल-कैप कैटेगरी में 4,992.90 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है। फ्लैक्सी-कैप फंड्स में रिकॉर्ड 7,679.40 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है, जो कि इससे पहले के महीने में आए 7,654 करोड़ रुपए के इनफ्लो से मामूली रूप से अधिक है। गोल्ड ईटीएफ में अगस्त में 7,200 करोड़ रुपए का इनफ्लो आया है, जो कि जुलाई में 1,200 करोड़ रुपए था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद, अगस्त 2025 में सकारात्मक इक्विटी प्रवाह का यह लगातार 54वां महीना था।हालांकि, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) जून में 74.41 लाख करोड़ रुपए और जुलाई में 75.35 लाख करोड़ रुपए से थोड़ी कम होकर 75.18 करोड़ रुपए हो गया है।

बायबैक की खबर से उछला इन्फोसिस, आईटी शेयरों में लौटी रौनक

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली। इस बढ़त की अगुवाई इन्फोसिस ने की, जिसके शेयर में करीब 5 फीसदी की छलांग दर्ज की गई। तेजी की प्रमुख वजह कंपनी द्वारा शेयर बायबैक (पुनर्खरीद) की योजना रही, जिसकी घोषणा सोमवार को बाजार बंद होने के बाद की गई थी। इन्फोसिस का निदेशक मंडल गुरुवार को बायबैक प्रस्ताव पर विचार करेगा। इन्फोसिस की अगुवाई में निफ्टी आईटी इंडेक्स में भी 2.8 फीसदी की तेजी आई, जो 12 मई के बाद की सबसे बड़ी एकदिनी बढ़त है। टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे दिग्गज शेयरों ने भी इस रैली में योगदान दिया। सेंसेक्स में भी इन्फोसिस सबसे बड़ा गेनर रहा। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह तेजी अस्थायी हो सकती है। इक्विनॉमिक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार यह उछाल केवल बायबैक की खबर से जुड़ा है और अन्य आईटी कंपनियों के भी बायबैक करने की अभी कोई पुष्टि नहीं है।

इस बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े सकारात्मक संकेतों जैसे रुपये में गिरावट और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद ने भी आईटी सेक्टर को समर्थन दिया। अमेरिका में टेक खर्च बढ़ने की संभावना से भारतीय आईटी कंपनियों को लाभ हो सकता है।

जीएसटी कटौती से ऑटो सेक्टर में आई तेजी

- बाजार पूंजीकरण में 3 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

सरकार द्वारा वाहनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़ी कटौती की घोषणा के बाद भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को नया बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को एक दशक में सबसे बड़ी टैक्स राहत का ऐलान किया था, जिसके तहत अधिकतर यात्री वाहनों पर जीएसटी दर 31 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई। इसका सीधा असर ऑटो सेक्टर पर देखने को मिला है। निफ्टी ऑटो इंडेक्स, जो 15 प्रमुख वाहन कंपनियों को ट्रैक करता है, तब से अब तक करीब 3 लाख करोड़ रुपये (लगभग 34 अरब डॉलर) का बाजार पूंजीकरण जोड़ चुका है।

इंडेक्स में 12.7 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है, जो इसी अवधि में निफ्टी 50 की महज एक फीसदी की बढ़त की तुलना में कहीं ज्यादा है। मारुति सुजुकी इंडिया, जो बाजार पूंजीकरण के हिसाब से सबसे बड़ी वाहन निर्माता है, के शेयर में 19 फीसदी की वृद्धि हुई है। आयशर मोटर्स और टीवीएस मोटर जैसी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियाँ भी इस तेजी में अग्रणी रही हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक शशांक का कहना है कि यह ऑटो सेक्टर के लिए रोमांचक समय है। उनका मानना है कि कर कटौती से कंपनियाँ कीमतें घटाएंगी, जिससे खासकर एंट्री-लेवल कारों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारत के निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ ने वैश्विक बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, लेकिन घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन से पहले मांग में मजबूती बनी हुई है।

रिकॉर्ड उच्च स्तर के बाद सोने के भाव में गिरावट, चांदी चमकी

- सोना 289 रुपए गिरकर 1,08,744 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,24,889 रुपए

नई दिल्ली । सोने की कीमतों ने हाल ही में रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद बुधवार को नरमी दिखाई, जबकि चांदी के भावों में मजबूती देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर वायदा कॉन्ट्रेक्ट 289 रुपए की गिरावट के साथ 1,08,744 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। इस समय यह 1,08,745 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन का उच्चतम स्तर 1,08,749 रुपए और न्यूनतम 1,08,668 रुपए रहा। मंगलवार को यह 1,09,840 रुपए का उच्चतम स्तर छू चुका था। वहीं दूसरी ओर, चांदी में मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा कॉन्ट्रेक्ट 465 रुपए की तेजी के साथ 1,24,926 रुपए प्रति किलो पर खुला। इस समय तक चांदी 1,24,889 रुपए पर कारोबार कर रही थी। इसका उच्चतम स्तर 1,24,937 रुपए और न्यूनतम 1,24,799 रुपए रहा। इस महीने चांदी 1,26,730 रुपए के उच्चतम स्तर तक पहुंची थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कामेक्स पर सोना 3,662 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद 3,682.20 डॉलर से करीब 9.40 डॉलर कम था। वहीं चांदी 41.34 डॉलर पर खुलने के बाद 41.43 रुपए प्रति औंस पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार सोने में मुनाफावसूली और डॉलर की मजबूती इसकी कीमतों पर दबाव बना रहे हैं, जबकि चांदी में औद्योगिक मांग के चलते तेजी बनी हुई है।

सेडान डिजायर पर 25,000 रुपये के खास ऑफर की घोषणा

नई दिल्ली ।

अपनी पॉपुलर सेडान डिजायर पर मारुति सुजुकी ने खास ऑफर की घोषणा की है। ग्राहक इस ऑफर का लाभ नजदीकी डीलरशिप से संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। सेडान डिजायर कार पर अधिकतम 25,000 रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है, जिसमें 10,000 रुपये का कंज्यूमर डिस्काउंट और 15,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस शामिल है। डिजाइन के लिहाज से मारुति डिजायर में बड़ा फ्रंट ग्रिल, स्लिक एलईडी डीआरएल, एलईडी टेल लैंप और नए 15-इंच डुअल टोन अलॉय व्हील दिए गए हैं। इंटीरियर में 9-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जर और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मौजूद हैं। खास बात यह है कि यह भारत की पहली सब-कॉम्पैक्ट सेडान है जिसमें सिंगल-पैन सनरूफ का विकल्प दिया गया है। सेफ्टी के मामले में भी डिजायर ने खास पहचान बनाई है। ग्लोबल एनकैप ने इस कार को फैमिली सेफ्टी के लिए 5-स्टार रेटिंग दी है। इसके साथ ही इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और अन्य सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं। माइलेज की बात करें तो यह कार ग्राहकों को काफी आकर्षित करती है। मैनुअल ट्रांसमिशन में इसका माइलेज 24.79 किमी प्रति लीटर और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स में 25.71 किमी प्रति लीटर तक का है। वहीं, सीएनजी मॉडल 30 किमी प्रति किलोग्राम से ज्यादा का माइलेज देता है। पावरट्रेन में 1.2-लीटर 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 81.58बीएचपी की पावर और 111.7 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके अलावा, सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है। कीमत की बात करें तो भारतीय बाजार में मारुति डिजायर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.84 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल के लिए 10.20 लाख रुपये तक जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल, पाकिस्तान कर सकता है खेल खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ीलंका की संयुक्त मेजबानी में 2026 का रुष टी20 विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च के ीच खेला जाएगा। भारत अपना खिताब रकरार रखने की कोशिश करेगा जिसने छली बार 2024 में बारबाडोस में हुए ाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर यह ब्रताब जीता था। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें ाग लेंगी और 55 मैच खेले जाएंगे। मैच ारत में 5 और श्रीलंका में दो स्थानों पर खेले ाएंगे तथा फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र ादी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि ाकिस्तान फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाता है, तो यह मैच कोलंबो में होगा।

BCCI टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी करेगा। हालांकि इस साल की शुरुआत में BCCI और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के बीच एक समझौता हुआ था कि वे दोनों सरकारों के बीच लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण एक-दूसरे के देशों में नहीं खेलेंगे जिसके बाद श्रीलंका को पाकिस्तान के सभी मैचों के आयोजन के लिए सह-मेजबान चुना गया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ICC ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है, लेकिन टूर्नामेंट के लिए समय निश्चित रूप से तय कर लिया गया है और सभी भाग लेने वाले देशों को इसकी जानकारी दे दी गई है। फिलहाल अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए केवल 15 टीमें ही क्वालीफाई कर पाई हैं, जिनमें भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड और पहली बार इटली भी शामिल हैं। शेष पांच स्थानों में से दो अफ्रीका क्षेत्रीय क्वालीफायर से और तीन एशिया और पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से निकलेंगे।

एशिया कप में उमरजई की तूफानी पा ने अफगानिस्तान को दिलाई जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम ने एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार जीत से किया। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ हुए पहले मुकाबले में टीम ने 94 रनों से बड़ी जीत हासिल की। यह अफगानिस्तान की एशिया कप में सबसे बड़ी और टूर्नामेंट की रनों के मामले में तीसरी सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए अजमतुल्लाह उमरजई के तूफानी पारी के दम पर 20 ओवर में 188 रन बनाए, इसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 94 रन ही बना सकी। राशिद खान ने जीत का क्रेडिट उमजई को दिया और मैच के बाद बताया कि क्यों मुजीब उर रहमान जैसे गेंदबाज को उन्होंने प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा।

राशिद ने मैच के बाद कहा कि टीम ने शानदार खेला। शुरुआत में विकेट लेना हमारे लिए अहम था। पिछली सीरीज में भी यही समस्या थी। यही एक क्षे जिसमें हमें सुधार करना है। डेथ ओव बल्लेबाजी शानदार रही। खा उमरजई। हमारे पास अच्छे स्पिन इससे विपक्षी टीम पर दबाव बनत जब आप रन बनाते हैं, तो बल्ले जोखिम उठाते हैं और हमारे पास वि लेने का मौका होता है। हम लक्ष्य का करते हुए अच्छा रिकॉर्ड बनाने कोशिश करेंगे।

प्लेइंग इलेवन क्या होगी, यह दे मुश्किल था। मुजीब को बाहर रखन मुश्किल फैसला था। आप कभी- कॉम्बिनेशन की तलाश में रहते हैं। अ बात यह है कि मेरे पास विकल्प है इससे मेरे लिए काम आसान हो जात अफगानिस्तान का इस जीत से नेट र +4.700 का हो गया है, जो उन्हें अ राउंड में पहुंचाने में मदद करेगा। उ अगला मैच 16 सितंबर को बांग्लाद होगा।

एसए20 नीलामी: ब्रेविस 8.3 करोड़ में बिके, आईपीएल से कई गुना ज्यादा लगी बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण ाका के डेवाल्ड ब्रेविस अब बेबी एबी रहे। वे अंतरराष्ट्रीय और फ्रैंचाइजी ट में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। एबी जलवा अब भी बरकरार है, लेकिन ब्रेविस को यकीन है जिसने उन्हें क्षमता एहसास कराया, वे भी उनकी तरह ा बिखेर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में ा शानदार प्रदर्शन के र ब्रेविस पर मंगलवार क्षिण अफ्रीका टी20 ीलामी में रिकॉर्ड तोड़ लगी। ब्रेविस के लिए रेया कैपिटल्स में गांगुली और जोसबर्ग किंग्स में स्टीफन ंग जैसे चिर परिचित प्रतिद्वंदी नीलामी दान में थे। आखिर में सुपर किंग्स को इस अद्भुत खिलाड़ी को छोड़ना पड़ा के ब्रेविस को 15.1 मिलियन रैंड 8.3 करोड़ रुपए में खरीदा गया। जो ीपीएल 2025 में उनके रिप्लेसमेंट ाड़ी के रूप में उनकी कीमत से करीब गुना ज्यादा है। एसए20 नीलामी में खरीदारी में दूसरे स्थान पर दक्षिण ाका के टी20 कप्तान हैं। सनराइजर्स केप के साथ दो बार दक्षिण अफ्रीका लीग जीतने वाले मार्करम की सेवाएं डरबन सुपर जायंट्स ने 14 मिलियन रैंड यानी 7.04 करोड़ रुपए में हासिल कीं। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट तिहरे शतकवीर वियान मुल्डर को सुपर किंग्स ने 9 मिलियन रैंड यानी 4.53 करोड़ रुपए में खरीदा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी सुपर जायंट्स के लिए 7.4 मिलियन रैंड यानी 3.72 करोड़ रुपए में खेलेंगे. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर को सुपर किंग्स ने 6.3 मिलियन रैंड यानी 3.17 करोड़ रुपए में खरीदने से पहले बोली लगाने की एक छोटी सी होड़ शुरू कर दी। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके जिन्होंने हाल ही में वनडे रिकॉर्ड तोड़े हैं उन्हें सनराइजर्स ने 6.1 मिलियन रैंड यानी 3.07 करोड़ रुपए में खरीदा। अनुभवी बल्लेबाज रस्सी वैन डेर डूसन को मुंबई इंडियंस केप टाउन ने 5.2 मिलियन रैंड यानी 2.62 करोड़ में खरीदा। तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन 5.1 मिलियन रैंड यानी 2.57 करोड़ में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। जबकि एनरिक नोर्टजे को सनराइजर्स के लिए खेलने के लिए 5 मिलियन रैंड यानी 2.51 करोड़ रुपए मिले हैं।

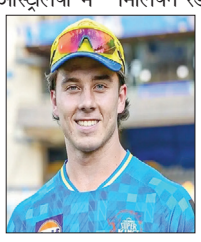

दाएं और बाएं बल्लेबाजों के संयोजन में फंसे अय्यर इसलिए हुए टीम से बाहर

–पूर्व लेग स्पिनर अमित ने कहा– आने वाले समय में वह फिर करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। यह कहना है पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का। 2024 के लिए बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था।

इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया था। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों में भी नहीं रखा गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में नाराजगी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं अमित मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया।

मिश्रा के मुताबिक अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी अमित मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 फीसदी आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना ??है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं। नए खिलाड़ियों को मौके चाहिए। मुझे लगता है कि वह भविष्य में वापसी करेंगे और टीम में अपनी जगह पक्की कर लेंगे।

कमिंस, स्टार्क और मेरा अभी संन्यास का इरादा नहीं : हेजलवुड

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि अभी उनका कमिंस और मिचेल स्टार्क का करियर काफी समय तक चलेगा और कोई भी सं के बारे में विचार नहीं कर रहा। इसलिए ये कहना कि एशेज सीरीज में उनकी, कमिंस और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी अंतिम बार उतरेगी कहना सही नहीं ह उन्होंने कहा कि हम तीनों में ही अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेलेंगे। अभी हम तीनों की उम्र 35 साल के आसपास है। कमिंस ने कमर में खिंचाव है। वहीं स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद क है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसमें हम अपनी भूमिका नि चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर तीनों ही इनका हिस्सा बनना चाहता है।

रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह की आईसीसी टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमश- छठे और 10वें स्थान पर पहुंच गए। वरुण चक्रवर्ती चौथे स्थान के साथ भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि बिश्नोई, अर्शदीप और अक्षर पटेल एक-एक स्थान के फायदे के साथ क्रमश- छठे, 10वें और 13वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि तिलक वर्मा दूसरे और कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे पायदान पर हैं। एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे यशस्वी जायसवाल एक स्थान के नुकसान से 11वें स्थान पर हैं। वह एशिया कप के लिए पांच रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं। रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन दोनों एक-एक स्थान के फायदे से 26वें और 34वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ नंबर एक ऑलराउंडर बने हुए हैं। यूएई, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला की समाप्ति के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग जारी की गई है। पाकिस्तान ने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती। एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों में शुभमन गिल नंबर एक पर बरकरार हैं। कप्तान रोहित शर्मा (दूसरे), विराट कोहली (चौथे) और श्रेयस अय्यर (आठवें) की रैंकिंग में भी कोई बदलाव नहीं आया है। एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के कुलदीप यादव एक स्थान के नुकसान से चौथे जबकि रविंद्र जडेजा दो स्थान के नुकसान से 10वें स्थान पर हैं। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी दो-दो स्थान के नुकसान से क्रमश- 14वें और 15वें स्थान पर हैं।

हार्दिक पांड्या की लग्जरी घड़ी चर्चा में, एशिया कप की प्राइज मनी से भी ज्यादा है कीमत

ट्र्स डेस्क। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या शिया कप 2025 से पहले हर किसी का ध्यान अपनी ओर ा। ट्रेनिंग सेशन के दौरान नए हेयरस्टाइल और उनकी घड़ी वजह से उनकी खूब चर्चा हो रही है। एशिया कप 2025 से े हार्दिक पांड्या ने अपने बालों को ग्रे शेड में कराया है। हार्दिक ्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरए 27-04 घड़ी पहने ा गया। इस घड़ी का वजन 30 ग्राम के करीब है। जिसकी ीत 20 करोड़ रुपये के करीब हैं जो एशिया कप की प्राइज मनी ागभग 8 गुना ज्यादा है।। ये घड़ी खासतौर पर टेनिस लीजेंड ल नाडल के लिए बनाई जाती हैं इसलिए इसे राफेल नडाल शन भी कहते हैं। एशिया कप जीतने वाली टीम को करीब 2.6 ड़ रुपये की इनाम राशि मिलेगी। एशिया कप 2025 का ाज 9 सितंबर से अबूधाबी में हो चुका है। जहां अफगानिस्तान बू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में हांगकांग को 94 रनों से दिया। टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में 10 सितंबर को भारतीय अपने अभियान का आगाज करेगी जिसमें दुबई इंटरनेशनल ्रिकेट स्टेडियम में उनका सामना यूएई से होगा। गौर है कि भारत ्शिया कप 2025 में पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में संयुक्त ब अमीरात के खिलाफ होगा जिसके बाद 14 सितंबर को दुबई र्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के साथ बहुप्रतीक्षित ाबला होगा। वहीं अबू धाबी में ओमान के खिलाफ 19 सितंबर भारत अपने ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलेगा। आठ बार ्या कप की ट्रॉफी जीतकर भारत टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ल टीम है।

विश्व चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।

भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गई।

पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया।

जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था।

तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर हुई लेकिन गाजोज के दो 10 ने उन्हें 29-28 की बढ़त दिला दी।

तुर्किए के तीरंदाज ने तीसरे सेट में 29-28 के साथ अपनी बढ़त 5-2 कर ली। धीरज ने चौथा सेट 29-29 से बराबर किया लेकिन यह गाजोज को जीत से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी नीरज चौहान को उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकजोद से सीधे सेटों में 27-29, 27-28, 26-29 से हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड ने सर्बिया को 5-0 से हराया, फ्रांस और पुर्तगाल उलटफेर से बचे

लंदन - किलियन एम्बाप्पे ने फ्रांस को संकट से बाहर निकाला, क्रिस्टियानो रोनाल रिकॉर्ड गोल करके पुर्तगाल को हार से बचाया जबकि इंग्लैंड ने बड़ी जीत हासिल क फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफाइंग में अपना विजय अभियान जारी र यूरोप की इन तीन फुटबॉल महाशक्तियों ने इस तरह से 2026 में होने वाले विश्व क लिए क्वालीफाई करने की तरफ मजबूर कदम बढ़ाए जबकि एर्लिंग हैलेंड ने चेहर टांके लगे होने के बावजूद नार्वे की 11-1 से बड़ी जीत में पांच गोल किए। नोनी म एज्री कोंसा और मार्क गुएही ने गोल किए, जिससे इंग्लैंड ने सर्बिया को 5-0 से हर बड़ी जीत हासिल की। फ्रांस ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए एमबाप्पे के गोल एक अन्य गोल करने में मदद की बदौलत आइसलैंड को 2-1 से हराया। जोअ कैंसेलो ने 86वें मिनट में विजयी गोल करके पुर्तगाल को हंगरी पर 3-2 से दिलाई। रोनाल्डो ने इस मैच में पेनल्टी पर गोल किया जो विश्व कप क्वालीफाइं उनका 39वां गोल था, जिससे उन्होंने ग्वाटेमाला के कार्लोस रुइज़ के रिकॉर्ड बराबरी कर ली। बस के दरवाजे से हुई दुर्घटना के बाद चेहरे पर टांके लगे हो बावजूद हैलेंड ने पहले हाफ में हैट्रिक सहित पांच गोल दागे, जिससे नॉर्वे ने मोल्दोव 11-1 से करारी शिकस्त दी।

जोफ्रा आर्चर ने लगाई लम्बी छलांग, आईसीसीस रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारी हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ताजा अपडेट के अनुसार आर्चर ने दूसरे और तीसरे मैच में लगातार 62 रन देकर चार और 18 रन देकर चार विकेट लिए, जिसकी बदौलत उन्हें 16 पायदान का उछाल मिला। तीसरे मैच में इंग्लैंड ने साउथम्प्टन में रिकॉर्ड 342 रनों से जीत दर्ज करके ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इससे पहले 2020 में आर्चर गेंदबाजी में रैंकिंग में सर्वोच्च आठवें स्थान पर पहुंचे थे। आदिल राशिद इस हफ्ते गेंदबाजों की सूची में उल्लेखनीय सुधार करने वाले एकमात्र अन्य गेंदबाज हैं। आदिल रशीद आठ विकेट लेने के बाद सात पायदान चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। लॉर्ड्स और साउथम्प्टन में खेले गए दूसरे और तीसरे मैच में दो-दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार है।

दूसरे और तीसरे मैच में 61 और 100 रनों की पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन करने वाले जो रूट ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 20 में वापसी की। वह पांच पायदान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए। वह दो साल में पहली बार शीर्ष 20 में पहुंचे है। उनके हमवतन जोस बटलर ने 62 और नाबाद 61 रनों की पारी खेलकर सात पायदान की छलांग लगाई। शाहीन शाह अफरीदी को चार स्थान की छलांग के साथ 22वें स्थान पर पहुंचने का इनाम मिला, जबकि उनके साथी और प्लेयर ऑफ द सीरीज मोहम्मद नवाज अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल में 5 विकेट (19 रन पर पांच विकेट) लेकर गेंदबाजों की सूची में 13 स्थान की छलांग के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल थी, अफगानिस्तान के नूर अहमद 40 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 33वें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका के कुसल परेरा हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद अर्धशतक की बदौलत तीन स्थान की छलांग के साथ नौवें और सिकंदर रजा तीन स्थान की छलांग के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए।

भारत ने कोरिया को महिला एशिया कप सुपर चार मुकाबले में 4-2 से हराया

हांगझोउ (चीन) । भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी र हुए बुधवार को यहां एशिया कप के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में कोरिय 4-2 से हराया। पूल बी में सात अंक के साथ शीर्ष पर रहे भारत के लिए वैष्णवी वि फाल्के (दूसरे मिनट), संगीता कुमारी (33वें मिनट), लालरेमसियामी (40वें मि और रुतजा ददासो पिसल (59वें मिनट) ने गोल दागे। कोरिया की ओर से दोनों

ाखर धवन और उनकी संस्था पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आई, पुनर्वास में करेगी सहायता

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली - भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने पंजाब में से प्रभावित लोगों की मदद से लिए आगे हैं। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक क वीडियो में धवन ने इस कठिन समय में ा और करुणा का आह्वान किया। धवन ने ग्राम पर पोस्ट में लिखा, 'यह एकजुट होने समय है। पंजाब को हमारी ताकत, करुणा समर्थन की जरूरत है.. थोड़ी सी मदद भी फर्क ला सकती है। आइए हम सब ना योगदान दें।'

अपनी व्यक्तिगत अपील के साथ धवन NGO शिखर धवन फाउंडेशन बाढ़ वित परिवारों के पुनर्वास प्रयासों में यता के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप का उद्देश्य जीवन के पुनर्निर्माण में मदद करना और जहां सबसे ज्यादा जरूरत है वहां दीर्घकालिक सहायता प्रदान करना है।

उनके संदेश को प्रशंसकों और साथी क्रिकेटरों का जबरदस्त समर्थन मिला है जिसमें संकट के समय में करुणा और एकता के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए पंजाब के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने पंजाब को पहले से आवंटित 12,000 करोड़ रुपए के अलावा, राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपए के वित्तीय सहायता पैकेज की घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार केंद्र किस्त भी अग्रिम रूप से जारी करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति का जमीनी स्तर पर आकलन करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) के कर्मियों से भी बातचीत की।

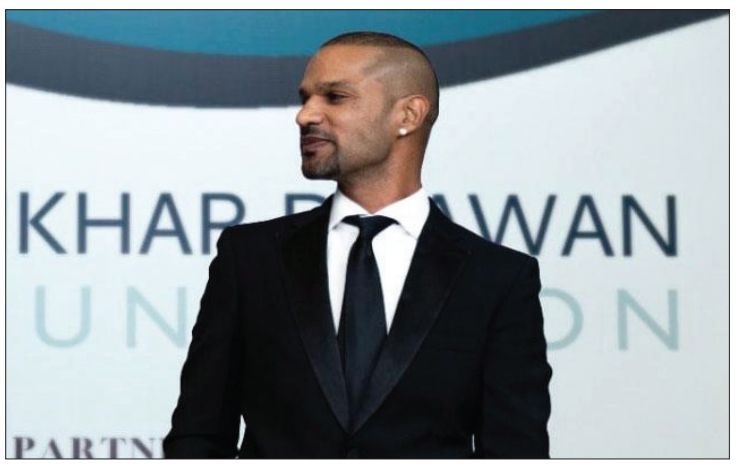

हाल के दिनों में हुई भारी बारिश के कारण पंजाब में व्यापक तबाही हुई है। राज्य सरकार ने केंद्र द्वारा 'रोके गए' 60,000 करोड़ रुपए की धनराशि तत्काल जारी करने की मांग की है, जो पंजाब की बाढ़ से प्रभावित अर्थव्यवस्था को समग्र रूप से पटरी पर लाने के लिए बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरदासपुर और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन किया। इसके बाद उन्होंने गुरदासपुर

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की ये झीलें जन्नत से नहीं है कम, इस गर्मी ट्रैवल बकेट लिस्ट में करें शामिल

अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो आज हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में लगभर हर कोई ठंडी जगहों या समुद्र तटीय क्षेत्रों पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा इस मौसम में झीलों का नजारा भी देखने लायक होता है। ठंडी-ठंडी हवाओं के बीच झीलों को देखना काफी ज्यादा अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

बड़ी लेक

राजस्थान के माउंट आबू में मीठे पानी की एक विशाल झील है। इसको बड़ी लेक के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। बताया जाता है कि बड़ी लेक को खुद भगवान ने बनाया था। हर साल यहां पर बड़ी संख्या में लोग अपनी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आते हैं।

नैनी झील

नैनीताल के लोगों के लिए नैनी झील काफी ज्यादा फेमस है। नैनी झील को नैनीताल झील के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील में आप नौकायन यानी की नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। हर साल यहां पर देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

हुसैन सागर झील

वहीं हैदराबाद में हुसैन सागर झील है, जोकि देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगती है। बताया जाता है कि इस हुसैन झील के तट पर गोलकुंडा और मुगलों के बीच संधि हुई थी। इसके साथ ही इस लेक में बुद्ध देवता की विशाल मूर्ति है। गर्मियों में हुसैन सागर झील का नजारा देखने लायक होता है।

लोकटक झील

लोकटक झील मणिपुर में है और यह झील पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। इस झील को फ्लोटिंग झील के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि लोकटक झील दुनिया की इकलौती ऐसी लेक है, जोकि तैरती हुई दिखाई देती है। ऐसे में अगर आप गर्मियों में मणिपुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार लोकटक झील देखने जरूर जाना चाहिए।

टारसर झील

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में टारसर झील मौजूद है, जोकि काफी ज्यादा खूबसूरत है। यह झील पर्वतीय इलाके में जमीन से करीब 3,795 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। टारसर झील के आसपास बड़े-बड़े पहाड़ हैं, जोकि दिखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

प्रकृति, इतिहास और आध्यात्म का अद्भुत संगम है शिवपुरी

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी मध्य प्रदेश का एक सुरम्य और ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी हरियाली, प्राचीन स्मारकों, राजसी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर एक समय में सिंधिया राजवंश की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा है और आज यह पर्यटकों के लिए एक शांत, सुंदर और विविध अनुभव प्रदान करता है।

शिवपुरी का ऐतिहासिक परिचय

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. माधव राष्ट्रीय उद्यान

शिवपुरी का सबसे प्रसिद्ध स्थल। यह राष्ट्रीय उद्यान कभी सिंधिया राजाओं का शिकार क्षेत्र हुआ करता था। अब यह बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय, मगरमच्छ, और अनेक पक्षियों का निवास स्थान है। यह प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग है।

2. सिंधिया की छतरियाँ

सिंधिया राजाओं और रानियों की याद में बने ये संगमरमर के स्मारक भारतीय और मुगल वास्तुकला के सुंदर मिश्रण का उदाहरण हैं। यहाँ की कलाकृति, मेहराबें और जालीदार खिड़कियाँ देखने योग्य हैं।

3. माधव विलास महल

यह एक भव्य शाही महल है, जहाँ सिंधिया परिवार गर्मियों में रहा करता था। ऊँचाई पर स्थित यह महल अपने बगीचों, झरोखों और शाही वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

4. सागर तालाब और भदैया कुंड

शिवपुरी के यह जल स्रोत प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आस्था से भी जुड़े हुए हैं। यहाँ बैठकर आप शांति का अनुभव कर सकते हैं।

5. नरवर किला

शिवपुरी से लगभग 40 किमी दूर स्थित यह प्राचीन किला 10वीं शताब्दी में बना था और चंदेल, परमार, तोमर, और मुगलों के अधीन रहा। किले से आसपास का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

धार्मिक स्थल

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर – एक प्राचीन शिव मंदिर जो स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय है।

छत्री मंदिर परिसर – यहाँ भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण हैं।

क्या करें?

वन सफारी – माधव राष्ट्रीय उद्यान में सुबह या शाम की सफारी जरूर लें।

फोटोग्राफी – प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम आपको कैमरे से दूर नहीं रहने देगा।

स्थानीय भोजन – यहाँ का पारंपरिक मालवी और बुंदेली खाना जरूर चखें।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन- शिवपुरी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर (110 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा- ग्वालियर

सड़क मार्ग- ग्वालियर, झाँसी, भोपाल और इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है

ठहरने की व्यवस्था

शिवपुरी में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स, लॉज और कई निजी होटल उपलब्ध हैं। यदि आप प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो माधव राष्ट्रीय उद्यान के पास रिसॉर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम शिवपुरी घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय तापमान सुखद होता है और वन्यजीव भी अधिक दिखते हैं।

शिवपुरी एक ऐसा स्थल है जहाँ इतिहास के पदचिन्ह, राजसी भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति— सब एक साथ मिलते हैं। यह पर्यटन के शोरगुल से दूर, आत्मिक और सुकून भरी यात्रा के लिए आदर्श स्थल है। यदि आप मध्य प्रदेश की अनदेखी विरासत को महसूस करना चाहते हैं, तो शिवपुरी की यात्रा जरूर करें।

खूबसूरत तैमारा घाटी का खौफनाक रहस्य, यहां आते ही बदल जाता है मोबाइल का वक्त

झारखंड की खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं। झारखंड भारत का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। यह राज्य साल 2000 में बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था। आज झारखंड पूरे भारत का एक खनिज समृद्ध राज्य माना जाता है। झारखंड घने जंगलों, कोयला खदानों और बेहतरीन पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। झारखंड की पतरानू घाटी, हुंडरू, टैगोर हिल और दशम वॉटरफॉल, नेतरहाट और तोपचांची झील जैसी खूबसूरत जगहों के बारे में हर कोई जानता है।

इन खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तैमारा घाटी

तैमारा घाटी एक डरावनी जगह मानी जाती है, जोकि रांची-जमशेदपुर हाईवे यानी एनएच-33 पर है। यह जगह राजधानी रांची से करीब 30 किमी की दूरी पर है। हाइवे पर होने के कारण तैमारा घाटी को %मौत का हाइवे% के नाम से भी जानी जाती है। यह हाइवे घने जंगलों के बीच में है, जिसकी वजह से यह काफी डरावना लगता है।

तैमारा घाटी की घटनाएं

तैमारा घाटी की एक नहीं बल्कि कई घटनाएं प्रचलित हैं। यह घाटी देखने में तो काफी मनमोहक लगती है। लेकिन यह घाटी कई मौतों की गवाह भी बन चुकी है। बताया जाता है कि इस घाटी गुजरने पर टाइम और तारीख अपने आप बदल जाती है।

तैमारा घाटी को लेकर एक अन्य कहानी है कि जंगलों के बीच से जब गाड़ी गुजरती है, तो उस गाड़ी की स्पीड मीटर खुद ब खुद बदल जाती है। वहीं माना जाता है कि रात के समय इस घाटी से अजीबो-गरीब आवाजें आती रहती हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि डर के कारण लोग रात में अकेले इस घाटी से गुजरना नहीं चाहते हैं।

तैमारा घाटी की डरावनी कहानियां

इस घाटी की सबसे डरावनी कहानियों में फेमस कहानी मोबाइल में डेट और समय का बदल जाना है। कई लोगों का इस घाटी के बारे में मानना है कि जब कोई यहां से गुजरता है तो उसके मोबाइल में साल, डेट और समय अपने आप बदल जाता है।

ऐसा होने के पीछे लोग कुछ और कहानी भी बताते हैं। लोगों का मानना है कि तैमारा घाटी से कुछ ही दूरी पर मैग्नेटाइज्ड रॉक है। जिसकी वजह से यह समस्या होती है। वहीं एक अन्य कारण यह भी है कि इसी घाटी से कर्क रेखा गुजरती है, जिस वजह से यह समस्या होती है।

तैमारा घाटी घूमने जाते हैं पर्यटक

बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 30 किमी दूर स्थित तैमारा घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर भीषण गर्मी में भी ठंडी-ठंडी हवाएं चलती हैं। ऐसे में पर्यटक भी तैमारा घाटी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय पर्यटक दूर-दूर से यहां पर लॉन्ग ड्राइव के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस घाटी की खूबसूरती देखने लायक होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घूस ले रहे एएसआई को विजिलेंस ने जैसे ही पकड़ा उसने नोट हवा में उछाले फिर मच गई लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस का एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) राकेश कुमार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। मामला हौज काजी थाने का है, जहां एएसआई ने एक व्यक्ति से झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 15 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट से की। 9 सितंबर को तय समय पर पीड़ित थाने पहुंचा और एएसआई को नोटों की गड्डी थमा दी। इसी बीच विजिलेंस टीम भी मौके पर पहुंच गई। विजिलेंस टीम को देखते ही घबराए एएसआई राकेश कुमार ने रिश्वत की गड्डी हवा में उछाल दी। नोट उड़ते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और नोट लूटने लगे। बताया जा रहा है कि लोगों ने करीब 5 हजार रुपये उठा लिए। वहीं विजिलेंस टीम ने मौके से 10 हजार रुपये बरामद किए और आरोपी एएसआई को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले की विजिलेंस अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए बताया कि एएसआई के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना से जहां पुलिस महकमे की छवि पर सवाल उठे हैं, वहीं हवा में उड़ते नोटों को लूटने की घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में दोषी करार आप विधायक मनजिंदर सिंह

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब की तरनतारन जिला अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के खडूर साहिब से विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा और अन्य 7 आरोपियों को एक लड़की से छेड़छाड़ और मारपीट करने के मामले में दोषी पाया है। अदालत अब 12 सितंबर को सभी दोषियों को सजा सुनाएगी। अदालत के फैसले के बाद पुलिस ने विधायक लालपुरा को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। यह मामला साल 2013 का है, जब उस्मा गांव निवासी लड़की हरबिंदर कौर ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि विवाह समारोह के दौरान उसके साथ छेड़छाड़ की गई और जब विरोध किया तब टैक्सी चालकों ने उसके परिवार के साथ मारपीट की। पीड़िता के परिवार का कहना था कि बीच सड़क पर बेरहमी से उनकी पिटाई की गई थी। घटना ने उस समय काफी सुर्खियाँ बटोरी थीं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा था और अदालत ने पीड़िता के परिवार को सुरक्षा मुहैया करवाने के आदेश दिए थे।

तेंदुए ने 8 साल के बच्चे हर्ष की ले ली जान

बिजनौर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जहाँ क तेंदुए ने 8 साल के बच्चे, हर्ष, की जान ले ली। यह घटना नजीबाबाद थाना क्षेत्र के बडिया गांव में हुई। हर्ष अपनी माँ के साथ घर के बाहर नल पर पानी भर रहा था। इसी दौरान, गन्ने के खेत से निकले एक तेंदुए ने अचानक उस पर हमला कर उठाकर खेत की ओर ले गया। माँ और आस-पास के लोगों के शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को छोड़कर भाग गया। घायल हर्ष को तुरंत समीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना के बाद, हर्ष के परिवार और ग्रामीणों ने शव के साथ गांव में प्रदर्शन किया और दिल्ली-पौड़ी हाईवे पर जाम लगा दिया। किसान यूनियन के कई कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 10 दिनों में जिले में तेंदुए के हमले में तीन बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे गाँवों में दहशत का माहौल है। वे वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को अपर्याप्त बता रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तब बड़ा आंदोलन होगा।

हजरतबल दरगाह विवाद पर दरख्शां अंद्राबी का बयान... यह नेशनल क्राइम है, दोषियों को मिलेगी सजा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने हजरतबल दरगाह में राष्ट्रीय चिन्ह के अपमान और हिंसा की घटना को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने इसे नेशनल क्राइम करार देते हुए कहा कि कानून के हाथ लंबे होते हैं और इसमें शामिल दोषियों को सजा जरूर मिलेगी। अंद्राबी ने कहा कि यह घटना राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का नतीजा है। उन्होंने सीधे तौर पर नेशनल कॉन्फ्रेंस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने पिछले 75 सालों तक दरगाह को अपनी जागीर समझा और राजनीतिक रोटियां सेंकीं। उन्होंने इस विवाद में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों तनवीर सादिक और सलमान पर भी निशाना साधा। अंद्राबी ने कहा कि दरगाह जैसे पवित्र स्थान पर ऐसी हरकतें न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान का भी अपमान करती हैं। इसी के साथ वक्फ बोर्ड चेयरपर्सन ने स्पष्ट किया कि इस तरह की घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सिर्फ कानून का मामला नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय गरिमा का सवाल है। ऐसे में दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी।

सिंगरौली में धर्मांतरण को लेकर बड़ा खुलासा, अब तक करीब 50 लोगों का धर्मांतरण कराया

सिंगरौली(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में धर्मांतरण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ था। पुलिस ने ओडिशा से आए दो लोगों सहित पांच को हिरासत में लिया गया है। जिसमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने मौके से धार्मिक किताबें और कुछ नकदी भी जब्त की है। दरअसल, सिंगरौली जिले की पुलिस ने खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि 10 साल पहले ओडिशा से दो शख्स आए थे। दोनों ने एनसीएल की खाली जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था। वहां के स्थानीय लोगों की मदद से धर्मांतरण का गोरखधंधा शुरू किया था। ये बड़ी चालाकी से इस काम को अंजाम देते थे। दोनों पहले कुछ स्थानीय लोगों को अपने झांसे में लेकर उस क्षेत्र की जानकारी जुटाते थे।

नया एसओपी जारी: असम में 10 दिन के भीतर साबित करनी होगी अपनी नागरिकता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में संदिग्धों को राज्य सरकार ने एक और मौका देने का फैसला किया है। इसके तहत 10 दिन का समय दिया गया है। जिसमें कहा गया है कि इस निर्धारित अवधि में अपनी नागरिकता साबित करें। असम की हिमंत विस्वा सरमा सरकार ने संदिग्ध विदेशियों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिनों का अल्टीमेटम थमाने का फैसला किया है। राज्य की कैबिनेट ने प्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 के तहत विदेशियों को निष्कासित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी है। इसके तहत जिला आयुक्तों को संदिग्ध विदेशियों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए 10 दिनों का नोटिस देने और समय सीमा के बाद नागरिकता पर निर्णय लेने का अधिकार होगा। यानी जो संदिग्ध विदेशी दी गई समय-सीमा के अंदर अपनी नागरिकता साबित करने में विफल रहेंगे, उन्हें जिला आयुक्त निकासी का आदेश दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री सरमा ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नया एसओपी राज्य सरकार को मौजूदा नागरिकता निर्धारण प्रक्रिया को दरकिनार करने और इसके बजाय ज़िला आयुक्तों को संदिग्ध विदेशियों को यह संतुष्ट करने के लिए 10 दिन की मोहलत देने में सक्षम बनाएगा कि वे भारतीय नागरिक हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद वे लोग ऐसा करने में असमर्थ रहते हैं तो जिला उपायुक्त उनके खिलाफ निकासी आदेश जारी कर सकते हैं। मौजूदा समय में संदिग्ध विदेशियों के मामले विदेशी न्यायाधिकरणों में लाए जाते हैं लेकिन नए एसओपी के तहत ये मामले अब जिला उपायुक्तों के पास होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरमा ने कहा कि कैबिनेट ने अब इस अधिनियम को लागू करने के लिए जिस एसओपी को मंजूरी दे दी है, वह राज्य के विदेशी न्यायाधिकरणों की भूमिका को काफी हद तक निष्प्रभावी कर देगी। उन्होंने कहा, इस मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, अगर उपायुक्त को सूचित किया जाता है कि कोई व्यक्ति विदेशी है, या सीमा पुलिस को सूचित किया जाता है कि वह व्यक्ति विदेशी है, या किसी अन्य स्रोत से पता चलता है कि कोई व्यक्ति विदेशी है, तो उपायुक्त उस व्यक्ति को 10 दिनों के भीतर अपनी नागरिकता साबित करने के लिए नोटिस देंगे। अगर उन 10 दिनों में उसके द्वारा दिए गए दस्तावेज़ उपायुक्त को संतुष्ट नहीं करते हैं, तो दसवें दिन, उपायुक्त निकासी आदेश जारी करेंगे।

विपक्ष सिर्फ लड़ाई-झगड़े में अपनी ताकत और बुद्धि लगाता

-केंद्रीय गृह राज्य मंत्री राय का इंडी गठबंधन पर तंज

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्षी गठबंधन पर कई आरोप लगाए हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत के बाद उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ लड़ाई-झगड़े में अपनी ताकत और बुद्धि लगाता है।

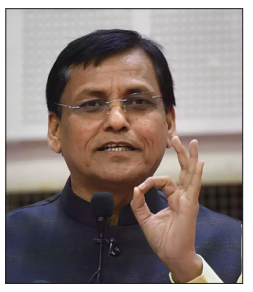

केंद्रीय मंत्री राय के अनुसार, एनडीए को उम्मीद से ज़्यादा वोट मिले, जो दिखाता है कि विपक्ष की रणनीति नाकाम हो गई है। राय ने राजद नेता तेजस्वी यादव की माई बहिन मान योजना और नौकरी के फॉर्म भरवाने की पहल पर भी सवाल उठा दिए। उन्होंने इस काम को एक धोखा बताकर कहा कि घमंडी गठबंधन का इतिहास झूठ और भ्रम फैलाने का रहा है। उन्होंने कहा कि जब बिहार में महागठबंधन की 15 साल सरकार थी, तब उन्होंने कुछ नहीं किया और अब जब सरकार बनी ही नहीं है, तब वे झूठे वादे कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राय ने विपक्ष पर चारा, अलकतरा, और दूध चोरी जैसे घोटालों का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का संस्कार दिखता है। उन्होंने कहा कि आज देश और बिहार को विकास चाहिए और लोग प्रधानमंत्री मोदी के काम पर भरोसा करते हैं। राय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया आ रहे हैं और बिहार को कई नई सौगातें देने आ रहे है।

ट्रंप को खुश करने के लिए कपास किसानों को खतरे में डाल रही मोदी सरकार: केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने केंद्र की मोदी सरकार पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए कपास किसानों को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने पोस्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत में भारतीय बाजार को अमेरिकियों के लिए खोला जा रहा है, जिससे किसानों, व्यापारियों और युवाओं के रोजगार को खतरा होगा। केजरीवाल ने कहा कि यह कदम भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है और 140 करोड़ भारतीयों का अपमान है।

उन्होंने गुजरात में प्रेसवार्ता कर कहा था कि अगर अमेरिका से कपास का आयात बढ़ा, तब भारतीय किसानों को उनकी फसल का बहुत कम दाम मिलेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से अमेरिकी कपास पर आयात शुल्क हटाने के फैसले पर भी सवाल उठाकर कहा कि अगर अमेरिका टैरिफ बढ़ा रहा है, तब भारत को भी बढ़ाना चाहिए। इससे पहले केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि पहले कपास किसानों को 1500 रुपये प्रति मन तक दाम मिलता था, लेकिन अब यह यह घटकर 1200 रुपये रह गया है। बीज और मजदूरी की लागत बढ़ गई है। अगर अमेरिका से कपास का आयात बढ़ा, तब भारतीय किसानों को 900 रुपये प्रति मन तक ही दाम मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भी केजरीवाल ने बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि ट्रंप बुजदिल हैं और जिस देश ने भी उनके सामने आंख दिखाई, उन्हें झुकना पड़ा। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की थी कि अगर अमेरिका 50 फीसदी टैरिफ लगा रहा, तब भारत को 75 फीसदी टैरिफ लगाना चाहिए। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अमेरिकी कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क खत्म कर दिया।

उपराष्ट्रपति चुनाव: क्रॉस वोटिंग करने वाले 15 सांसदों को ढूंढ रहा विपक्ष, शक इधर भी है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति के चुनाव में 15 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। इसको लेकर विपक्ष काफी परेशान बताया जा रहा है। क्रॉस वोटिंग करने वाले सांसदों की पहचान करने की कोशिश हो रही है। आम आदमी पार्टी और महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) तथा एनसीपी (शरद पवार) खेमों पर सबसे ज्यादा उंगलियां उठ रही हैं। राजस्थान से एक सांसद और तमिलनाडु से आए वोटों पर भी चर्चा है। उपराष्ट्रपति चुनाव में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता, इसलिए नेताओं के लिए क्रॉस-वोटिंग आसान हो गई।

कुल मिलाकर उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत तो तय मानी जा रही थी, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन को असली झटका अपने ही वोट बैंक में सेंध से लगा है। उनके उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को केवल 300 वोट मिले, जबकि विपक्षी खेमे की गणना कम से कम 315 वोटों की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, विपक्षी नेताओं को उम्मीद थी कि रेड्डी को 315 से लेकर 324 तक वोट मिलेंगे। लेकिन नतीजों ने दिखाया कि कम से कम 15 वोट विपक्षी पाले से एनडीए की ओर चले गए। कुछ वोट जानबूझकर अवैध घोषित किए गए बताए जा रहे हैं। नतीजे आने के बाद विपक्षी खेमे में गद्दारों की तलाश शुरू हो गई है। वोटिंग के तुरंत बाद कांग्रेस के जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा था कि विपक्ष ने 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की और 315 सांसदों ने वोट डाला। लेकिन नतीजे आने के दो घंटे के भीतर ही यह एकजुटता ढहती नजर आई। विपक्षी खेमे को उम्मीद थी कि यह चुनाव बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एकता का प्रदर्शन करेगा, लेकिन उलटे ट्रेजन हॉर्स ने घर में ही सेंध लगा दी। इस चुनाव में मतदाताओं की कुल संख्या 781 थी जिसमें से 767 मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। मतगणना में 752 वोट वैध और 15 अवैध पाए गए। इस तरह जीत के लिए कम से कम 377 वोट की आवश्यकता थी। विपक्ष के उम्मीदवार वी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के केवल 300 वोट प्राप्त हुए।

अचानक राज से मिलने पहुंचे उद्धव ठाकरे... बीएमसी चुनाव को लेकर हो सकता है बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी) महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच गठबंधन की अटकलों के बीच, उद्धव ठाकरे अचानक बुधवार को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे से मिलने उनके आवास शिवतीर्थ पहुंचे। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दोनों भाइयों के बीच हाल की दूसरी सार्वजनिक मुलाकात है। इससे पहले वे गणेश उत्सव के मौके पर मिले थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में गठबंधन, सीटों के बंटवारे और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों पार्टियों के कुछ प्रमुख नेता भी बैठक में मौजूद थे। बैठक के बाद, राज ठाकरे ने मनसे के नेताओं की एक बड़ी बैठक बुलाई है, जिसमें गठबंधन को लेकर अहम चर्चा होने की संभावना है। बताया जा रहा हैं कि इस बैठक में राज अपने नेताओं से चर्चा करने के बाद एमवीए में शामिल होने को लेकर फैसला कर सकते है। लेकिन यदि राज ठाकरे एमवीए में शामिल नहीं होते हैं, तब क्या उद्धव ठाकरे एमवीए को छोड़ देने वाले हैं, या यह गठबंधन सिर्फ मुंबई तक सीमित रहेगा?

दोनों के बीच हुई मुलाकात के बाद सवाल ये भी उठ रहा हैं कि क्या यह गठबंधन केवल मुंबई तक सीमित रहेगा या अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा? शिवसेना यूबीटी गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने पहले कई शहरों में मिलकर लड़ने का ऐलान किया था।

बात दें कि मुंबई बीएमसी चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है, जिन्हें उद्धव ठाकरे के राजनीतिक भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के बाद, यह संभावना है कि उद्धव ठाकरे दशहरा सभा में गठबंधन को लेकर कोई बड़ा ऐलान कर सकते है। बात दें कि विधानसभा में करारी हार के बाद उद्धव ठाकरे गुट के पास अब एक ही सहारा मुंबई बीएमसी चुनाव दिख रहा है।

महागठबंधन में ओवैसी की पार्टी को शामिल करने का फैसला लालू करेंगे !

-कांग्रेस नेता अलावरू ने कहा- सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला जल्द

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस की बैठक हुई। बैठक के बाद बिहार प्रभारी कृष्णा अलावरू ने बताया कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा है। इस पर उन्होंने कहा कि यह पत्र लालू को लिखा गया है, इसलिए इस पर वही स्पष्टीकरण देंगे। कांग्रेस का इससे कोई संबंध नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पशुपति कुमार पारस की पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को महागठबंधन में शामिल किए जाने पर भी बात हुई। उन्होंने कहा कि इस दिशा में बातचीत सकारात्मक है और बहुत जल्द इस पर औपचारिक घोषणा हो सकती है। सीट बंटवारे पर अलावरू ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सूची राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। इस मुद्दे पर समन्वय समिति में चर्चा जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि 15 सितंबर तक सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला हो जाएगा। अलावरू ने यह भी कहा कि कांग्रेस को जितनी भी सीटें मिलेंगी, वह उसमें कोई आपत्ति नहीं करेगी। अभी तक की बातचीत सकारात्मक रही है। महागठबंधन पूरी मजबूती से चुनावी मैदान में उतरेगा और कोई विवाद नहीं होगा। अलावरू के बयानों से साफ है कि कांग्रेस सीट बंटवारे में लचीलापन दिखाने के मूड में है। वहीं, ओवैसी की पार्टी को महागठबंधन में जगह देने या न देने का फैसला अब लालू यादव करेंगे। इससे साफ है कि कांग्रेस के संकेत बताते हैं कि सीट बंटवारे और संभावित सहयोगियों को लेकर 15 सितंबर तक तस्वीर साफ हो जाएगी। इसके साथ ही बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन की रणनीति ठोस रूप ले लेगी।

नेपाल की जेलों से भागे कैदी... भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई गई

10 कैदियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में जारी अशांति और जेल से कैदियों के भागने की घटना के बाद, भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भारतीय सीमा सुरक्षा बल सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नेपाली आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) के साथ मिलकर सीमा पर कड़ी निगरानी और गश्त बढ़ा दी है। इसके तहत सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और गहन जाँच चल रही है। सीमावर्ती चौकियों पर सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

सीमा पर गश्त मार्गों को फिर से व्यवस्थित किया गया है। वहीं भाग चुके कैदियों की सूची मांगी गई है, जिसमें उनके नाम, आपराधिक रिकॉर्ड और अति-जोखिम वाले कैदियों की जानकारी शामिल है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दो त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्विक रिएक्शन टीम) का गठन किया गया है।

भागे हुए कैदियों की गिरफ्तारी

नेपाल की जलेश्वर जेल से भागे 10 कैदियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते हुए एसएसबी ने पकड़ा है। इन कैदियों में आठ नेपाली और दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। नेपाली कैदी में रामगुलाम महतो, विनोद राय, मोजाहिद अंसारी, सुरेन्द्र साह सोनार, इंद्रेश मंडल, कृष्ण कुमार महतो, रियाज दफाली, और राजेश तमांग शामिल है। वहीं भारतीय कैदी में मोहन कुमार (वैशाली, बिहार) और गुड्डू कुमार (मोतिहारी, बिहार)।

इन सभी को भिठ्ठा और सुरसंड पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया है कि आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी। जलेश्वर जेलब्रेक में कुल 577 कैदियों में से 576 कैदी भाग गए थे, जिनमें से 10 को भारत में पकड़ा गया। इस घटना के बाद, महोत्तरी जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया है, और जलेश्वर नगर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में सन्नाटा पसरा हुआ है।

नेपाल में तनावपूर्ण स्थिति

भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शनों ने नेपाल में हिंसक रूप ले लिया है। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट सहित कई सरकारी इमारतों और नेताओं के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस तनावपूर्ण स्थिति के बाद इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, सरकार द्वारा सोशल मीडिया से प्रतिबंध हटाए जाने के बावजूद, भीड़ का गुस्सा शांत नहीं हुआ है, और वे भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भारत ने रूस से नहीं बल्कि अमेरिका और इजराइल के साथ अपनी रक्षा साझेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस पर निर्भरता कम करने और अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भारत ने अमेरिका और इजराइल के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाई है। इजराइली मीडिया के अनुसार, यह सिर्फ हथियारों की खरीद-फ़रोख़्त नहीं है, बल्कि तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन और अनुसंधान एवं विकास का एक रणनीतिक बदलाव है। इजराइली अखबार ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत अब केवल हथियार ख़रीदने वाला नहीं, बल्कि एक रक्षा भागीदार बन गया है। भारत अब अमेरिका के साथ मिलकर जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल और एमक्यू-9बी ड्रोन जैसे हथियार बना रहा है। पहले भारत को बिना तकनीकी नियंत्रण के बने-बनाए हथियार मिलते थे, लेकिन अब भारत अपने रक्षा उद्योग में विदेशी तकनीकों को शामिल कर रहा है। इतना ही नहीं भारत इजराइल के साथ मिलकर साइबर सुरक्षा और ड्रोन तकनीक जैसे क्षेत्रों में संयुक्त कार्यक्रम चला रहा है। यह रणनीति आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य भारत को रक्षा उत्पादन का एक वैश्विक केंद्र बनाना है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का यह रणनीतिक विविधीकरण अमेरिका और इजराइल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत एक मजबूत, स्वायत्त और भरोसेमंद साझेदार है। यह निर्भरता से विविधता की ओर भारत की यात्रा को दर्शाता है, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह बदलाव रूस पर भारत की पारंपरिक निर्भरता को कम कर रहा है और भारत के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को फिर से परिभाषित कर रहा है।

दिल्ली के डिफेंस इको सिस्टम का हिस्सा बना हुआ है, फिर भी भारत उसपर अपनी निर्भरता काफी कम कर चुका है। अमेरिका और इजरायल के साथ साझेदारी के माध्यम से, भारत एक ऐसा सुरक्षा ढांचा तैयार कर रहा है जो काफी मजबूत, काफी नया और काफी लचीला है। यह सिर्फ मास्को पर निर्भरता कम करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भारत को डिफेंस प्रोडक्शन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के बारे में है, एक ऐसा राष्ट्र जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सुरक्षा परिवेश को आकार देने में इनोवेशन, प्रोडक्शन और लीडरशिप दे सके।

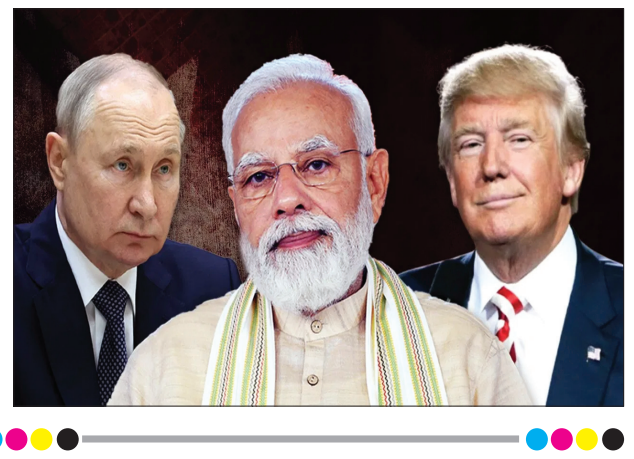

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध सामग्री की आशंका में खाली कराया गया लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट

लंदन, एजेंसी। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर खतरनाक सामग्री होने की आशंका के मद्देनजर सोमवार को एक टर्मिनल को खाली करा दिया गया। हीथ्रो के प्रवक्ता ने बताया कि टर्मिनल-4 पर चेक-इन एरिया को बंद किया गया है। आपातकालीन सेवाओं के सक्रिय होने तक उसे खाली कराया गया है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि एहतियात के तौर पर टर्मिनल को खाली कराया गया। यात्रियों से टर्मिनल तक नहीं आने का अनुरोध किया गया है। अन्य सभी टर्मिनल चालू थे।

ब्रिटेन की नई गृह सचिव प्रवासन पर सख्त

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली सरकार में नई गृह मंत्री बनीं शबाना महमूद ने सोमवार को कड़ा रुख अपनाते का एलान किया। उन्होंने कहा कि जो देश अवैध प्रवासियों को वापस लेने से इनकार करेंगे, उनके लिए वीजा निलंबित किए जा सकते हैं। लंदन में आयोजित फाइव आइज बैठक (ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, कनाडा) में देशों पर अपने नागरिकों को स्वीकारने का दायित्व सुनिश्चित करने पर सहमति बनी। महमूद ने कहा कि जिनका यूके में रहने का अधिकार नहीं है, उन्हें निर्वासित किया जाएगा। उन्होंने सीमा सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए चेतावनी दी कि असहयोगी देशों के खिलाफ वीजा कटौती जैसे कदम उठाए जाएंगे।

टिकटॉक पर आपत्तिजनक वीडियो डालने वाला युवक पाकिस्तान में गिरफ्तार

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस ने टिकटॉक में आपत्तिजनक वीडियो साझा करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध की पहचान अब्दुल मुगीज के रूप में हुई है। पुलिस के प्रवक्ता लिकायत अली ने बताया कि मुगीज महिलाओं के कपड़े पहनता था, तरह-तरह के भद्दे पोज और वीडियो बनाता था। इन गतिविधियों से स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश था। कई शिकायतें मिलने के बाद बामखेल पुलिस चौकी ने मुगीज के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पाकिस्तान में पीटीआई ने 12 विधायकों को पार्टी से निकाला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री गुलबर खान और 11 अन्य विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इन पर अलग गुट बनाने का आरोप है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी से निकाले गए लोगों में खान के अलावा अब्दुल हमीद, हाजी शाह बेग, मुश्ताक अहमद, सैयद अमजद अली जैदी, शमसुल हक लोन, दिलशाद बानो, राजा नासिर अली खान, सुरैया जमान, राजा आजम खान अमाचा और राजा फजल रहीम शामिल हैं।

कोलंबिया में विद्रोहियों ने फिर किया 45 सैनिकों का अपहरण

बोगोटा , एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया में एक विद्रोही समूह के प्रभाव वाले क्षेत्र में 600 लोगों ने मिलकर 45 सैनिकों का अपहरण कर लिया गया। ये सैनिक यहां प्रतिबंधित कोको के स्थान पर दूसरी फसल लगवाने का काम कर रहे थे। इससे पहले अगस्त में विद्रोहियों ने 33 सैनिकों का अपहरण किया था। सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि यह घटना काउका विभाग के मीके कैन्यन में हुई। यह क्षेत्र कोका पत्ती की फसलों के लिए जाना जाता है और वर्तमान में एक विद्रोही गुट का गढ़ है। पूर्व अमेरिकी सांसद जॉन बर्टन का 92 की उम्र में निधन वाशिंगटन, एजेंसी। अपने बेबाक अंदाज के लिए विख्यात पूर्व अमेरिकी सांसद जॉन बर्टन का रविवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। उनके परिजनों ने बताया कि बर्टन की सान फ्रांसिस्को में स्वाभाविक मौत हुई। डेमोक्रेट बर्टन ने मजदूर वर्ग के लिए आवाज उठाई और पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित कई लोगों का राजनीति में मार्गदर्शन किया।

नॉर्वे में कड़े मुकाबले में जीती लेबर पार्टी, चार साल और सरकार का नेतृत्व करेंगे पीएम जोनास स्टोरे

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और सत्ताधारी लेबर पार्टी ने एक बार फिर जीत हासिल की है। हालांकि लेबर पार्टी को बेहद कड़े मुकाबले में जीत हासिल हुई। नॉर्वे के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता जोनास गार स्टोरे ने जीत का एलान किया। लेबर पार्टी ने टैक्स और जनकल्याणकारी नीतियों का डर दिखाकर मतदाताओं को अपने पक्ष में किया, आम चुनाव के दौरान मतदाताओं के रुझान ने भी बता दिया कि नॉर्वे में भी आने वाले समय में दक्षिणपंथी पार्टियां सत्ता पर काबिज हो सकती हैं।

अफगानिस्तान में भीषण भूकंप से 49 गांवों में 5230 घर तबाह, 362 गांवों तक नहीं पहुंच सकी यूएन की मदद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अफगानिस्तान के पहाड़ी इलाकों में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 49 गांवों में 5230 घर पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं और 672 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। लेकिन 441 प्रभावित गांवों में से 362 गांवों तक अभी तक राहत और बचाव टीमें पहुंच ही नहीं पाई हैं।

31 अगस्त को आया था विनाशकारी भूकंप : बता दें कि, यह भूकंप 31 अगस्त को आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.0 मापी गई। अब तक कम से कम 2,200 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबे से शव निकाले जाएंगे, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि इस आपदा से लगभग पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे हैं। इनमें कई ऐसे शरणार्थी भी शामिल हैं जिन्हें हाल ही में पाकिस्तान और ईरान से जबरन वापस भेजा गया था।

राहत कार्य में बड़ी मुश्किलें : यूएन की अफगानिस्तान स्थित मानवीय सहायता प्रमुख शैनन ओहारा ने बताया कि पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत टीमों के लिए प्रभावित गांवों तक पहुंचना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जलगांवाबाद शहर से भूकंप के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके तक पहुंचने में उन्हें साढ़े छह घंटे का समय लगा, जबकि यह दूरी केवल 100 किमी है। रास्ता एक संकरी पहाड़ी सड़क है, जो कई जगहों पर भूस्खलन से गिरे बड़े पत्थरों से बंद हो चुकी है। इसी रास्ते से ही मानवीय सहायता से लदे ट्रक भी ऊपर-नीचे जा रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति पैदा हो रही है।

पैदल लौट रहे हैं घायल और भूकंप पीड़ित : ओहारा ने बताया, जब हम भूकंप के केंद्र की ओर जा रहे थे, तभी हमें कई परिवार पैदल लौटते मिले। वे केवल वही सामान ले जा पा रहे थे, जो अपने हाथों में उठा सकते थे। कई लोग उसी रात के कपड़ों में थे, जब भूकंप आया था। मां-पिता अपने घायल बच्चों को गोद में लिए हुए थीं, जिनके शरीर पर ताजे पट्टे बंधे थे।

पूरे गांव मिट गए, लाशों की बदबू फैली : जैसे-जैसे राहत टीम केंद्र की तरफ बढ़ी, तबाही का मंजर और भयावह होता गया। कई गांव पूरी तरह मिट्टी में दब गए हैं। जगह-जगह मरे हुए जानवरों की सड़ती लाशों की बदबू फैली हुई है। जिन परिवारों के घर तबाह हो गए, वे भीड़भाड़ वाले टेंटों में रह रहे हैं, जबकि कई लोग खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। बारिश और ठंडी हवाएं उनकी परेशानी और बढ़ा रही हैं।

पानी और स्वच्छता की गंभीर समस्या : ओहारा ने चेतावनी दी कि स्थिति बेहद नाजुक है। पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध नहीं है। स्वच्छता की कोई व्यवस्था नहीं है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि 92% गांव खुले में शौच करते हैं। इस क्षेत्र में पहले से ही हैजा बीमारी आम है। ऐसे में महामारी फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को तुरंत साफ पानी, भोजन, टेंट, शौचालय और गर्म कपड़े चाहिए। सर्दियों की पहली बर्फबारी अक्तूबर के आखिर में शुरू हो जाएगी, जिसके बाद इन गांवों तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। ओहारा ने कहा, अगर अभी तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो बरसात के कारण फ्लैश फ्लड आ सकते हैं, जो शिविरों को बहा ले जाएंगे। लगातार आफ्टरशॉक्स से भूस्खलन हो सकता है, जिससे राहत मार्ग पूरी तरह बंद हो जाएंगे। और अगर बर्फबारी शुरू हो गई, तो इन गांवों तक पहुंचना नामुमकिन हो जाएगा। अगर हम अभी नहीं चेते, तो ये लोग आने वाली सर्दी में जिंदा नहीं बच पाएंगे। संयुक्त राष्ट्र मंगलवार को एक आपातकालीन फंडिंग अपील जारी करेगा ताकि राहत कार्यों के लिए तुरंत पैसा इकट्ठा किया जा सके।

रेप केस में ट्रंप को बहुत बड़ा झटका, 83 मिलियन डॉलर के हर्जाने का फैसला बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क स्थित 2 यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया। अदालत ने ट्रंप की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पत्रकार और लेखिका ई. जीन कैरोल को दिए गए 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 693 करोड़ रुपये) के हर्जाने को रद्द करने की मांग की थी। 81 वर्षीय ई. जीन कैरोल इले मैगजीन की पूर्व कॉलमिस्ट रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 1990 के दशक में ट्रंप ने न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनका रेप किया था। ट्रंप ने इन आरोपों को 2019 में नकार दिया था और एक रिपोर्टर से कहा था कि कैरोल मेरे टाइप की नहीं हैं और उन्होंने अपनी किताब बेचने के लिए यह कहानी गढ़ी है। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अपने आदेश में कहा, जूरी द्वारा दिए गए हर्जाने का फैसला इस मामले की असाधारण और गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए उचित है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप इस मामले में राष्ट्रपति पद की इम्युनिटी (छूट) का दावा नहीं कर सकते। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले के अनुसार उन्हें व्यापक क्रिमिनल इम्युनिटी मिली है, जो सिविल मुकदमों पर भी लागू होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में उनके बयान राष्ट्रपति के आधिकारिक कर्तव्यों का हिस्सा थे और यदि इस पर इम्युनिटी नहीं दी गई तो कार्यपालिका शाखा कमजोर हो जाएगी। लेकिन कोर्ट ने इन सभी दलीलों को खारिज कर दिया। मई 2023 में एक अन्य जूरी ने ट्रंप को 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) हर्जाना देने का आदेश दिया था। जून 2024 में 2ठ्ठस सर्किट कोर्ट ने उस फैसले को भी बरकरार रखा। जनवरी 2024 में आए 83.3 मिलियन डॉलर के फैसले में से 18.3 मिलियन डॉलर कैरोल की भावनात्मक और प्रतिष्ठा की क्षति के लिए तथा 65 मिलियन डॉलर दंडात्मक हर्जाने के रूप में शामिल थे। वाइट हाउस और ट्रंप के वकीलों ने इस फैसले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसी साल जून में कैरोल ने अपनी नई किताबनाट माय टाइप वन वुमेन वर्सेस ए प्रसीडेंट प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने ट्रंप के खिलाफ अपने कानूनी संघर्षों का विस्तार से वर्णन किया है।

उत्तर कोरिया में नए आईसीबीएम रॉकेट इंजन का परीक्षण, किम जोंग उन भी रहे मौजूद

सियोल, एजेंसी। दुनियाभर के कई देशों मे चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बीच उत्तर कोरिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) इंजन के परीक्षण का निरीक्षण किया। यह इंजन ठोस ईंधन से चलता है और 1,971 किलोन्यूटन की ताकत पैदा करता है, जो पिछले मॉडलों से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। मामले में उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, यह इस इंजन का नौवां और अंतिम ग्राउंड टेस्ट था। इसे कार्बन फाइबर से बनाया गया है और इसका इस्तेमाल भविष्य के मिसाइल सिस्टम जैसे ह्वासोंग-20 में किया जाएगा। ये नया इंजन ठोस ईंधन से चलता है, जिसे छिपाना और तुरंत लॉन्च करना आसान होता है, जबकि पुराने मिसाइलें तरल ईंधन पर आधारित थीं, जिन्हें तैयार करने में ज्यादा वक्त लगता था। ऐसे में इस नए इंजन उत्तर कोरिया की मिसाइल तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता में तेजी आएगी। कुल मिलाकर उत्तर कोरिया पहले ही ऐसी मिसाइलें टेस्ट कर चुका है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं, लेकिन अब किम मल्टी-वारहेड सिस्टम बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे मिसाइल डिफेंस सिस्टम को चकमा देना आसान होगा। परीक्षण के बाद किम जोंग उन ने इसे आंखें खोल देने वाली प्रगति बताया। साथ ही कहा कि यह उत्तर कोरिया की परमाणु ताकत को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव है। बता दें कि 2019 में अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद से किम ने बार-बार मिसाइल परीक्षण कर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि किम का मकसद अमेरिका पर दबाव बनाना है ताकि उसे परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता मिले और उसे आर्थिक व रणनीतिक छूट मिल सके। गौरतलब है कि किम जोंग उन हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिले। उन्होंने रूस को यूक्रेन युद्ध में मदद के लिए सैनिक और सैन्य उपकरण भेजे हैं। बीजिंग यात्रा के दौरान किम ने द्वितीय विश्व युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा भी लिया।

यूनुस सरकार ने लगाया दुर्गा पूजा मंडपों के आसपास मेलों पर प्रतिबंध

ढाका, एजेंसी। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक उत्सव दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि इस बार देशभर के दुर्गा पूजा पंडालों के पास मेले लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने ये भी कहा कि इन मेलों में अक्सर नशीली दवाओं और शराब के सेवन जैसी असामाजिक गतिविधियां देखी जाती हैं।

सलाहकार ने कहा कि मेले के दौरान असामाजिक तत्व इकट्ठा होकर गांजा और शराब का सेवन करते हैं, जिससे शांति-व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि इस बार मेले की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, पूजा उत्सव समितियों की अनुमति से एक-दो दुकानें लगाई जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि पूजा समितियों ने इस निर्णय पर कोई आपत्ति नहीं जताई है और उन्होंने विश्वास जताया है कि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगा। इस साल देशभर में हजारों दुर्गा पूजा पंडाल लगाए जाने की संभावना है। सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करने के लिए प्रशासन ने एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन भी तैयार किया है, जिसके जरिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तुरंत संपर्क साधा जा सकेगा। गृह सलाहकार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भक्तजन निर्भय होकर उत्सव में भाग ले सकें और किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा बांग्लादेश में हिंदू समुदाय का सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है, जिसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। 33,000 मंडपों में होगी पूजा, सुरक्षा के कड़े इंतजाम गृह सलाहकार ने बताया कि इस साल देशभर में लगभग 33,000 पूजा मंडप स्थापित किए जाएंगे। उत्सव के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मंडपों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। इसके लिए पर्याप्त संख्या में अंसार बल तैनात किए जाएंगे, जबकि सीमावर्ती क्षेत्रों में मंडपों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीमा सुरक्षा बल (बीजीबी) को सौंपी गई है। इसके अलावा, पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), और सशस्त्र बल भी शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने में सहयोग करेंगे। चौधरी ने आयोजकों को प्रत्येक मंडप पर दिन में तीन और रात में चार व्यक्तियों को तैनात करने का निर्देश दिया है ताकि 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और अफवाहों पर नियंत्रण के लिए एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। मूर्ति विसर्जन के लिए सख्त नियम मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए गृह सलाहकार ने निर्देश दिया कि मूर्तियों का विसर्जन एक-एक करके और कतारबद्ध तरीके से किया जाए।

ये हमारी राजधानी पर भयानक आतंकी हमला, यरुशलम गोलीबारी पर इस्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने यरुशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए, इसे अपनी राजधानी पर भयावह आतंकी हमला करार दिया। इस्राइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। दो फलस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर गोलीबारी की, जिसमें छह इस्राइली नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं। हमले के तुरंत बाद ही दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया गया।

यरुशलम में हुआ हमला एक चेतावनी इस्राइल के वित्त मंत्रालय में महालेखाकार याली रोथेनबर्ग ने कहा, जहां गोलीबारी हुई, मैं उस बस स्टॉप को जानता हूं, और मेरे एक कर्मचारी की मां उस हमले में मारी गई हैं। याली रोथेनबर्ग इस समय भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि हम उन चरमपंथियों से बचें, जो ये अमानवीय कृत्य करते हैं, जो हमारी हर चीज का विरोध करते हैं। इस्राइल में और भारत में भी, हम इस तरह के रिश्ते में भागीदार हैं। जब हम इन चीजों को देखते हैं, तो हमें इस्राइल में हाल ही में और लगभग दो साल पहले हुए अत्याचारों की याद आती है। मानवता की भलाई के लिए, हमारा इससे लड़ने का आह्वान है। रोथेनबर्ग वर्तमान में इस्राइली वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर भारत का दौरा कर रहे हैं। भारत और इस्राइल के बीच पारस्परिक निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर समझौता हुआ है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, यह वह बुराई है जिसका इस्राइल सामना कर रहा है। दो आतंकवादियों ने यरुशलम में एक बस पर गोलीबारी की, यात्रियों, राहगीरों और पहुंच में आने वाले लोगों को निशाना बनाया। हमले में छह लोग मारे गए। एक दर्जन से ज्यादा घायल हुए। इस्राइल जो युद्ध लड़ रहा है वह उन सभी के लिए है जो आतंक के खिलाफ खड़े हैं।

इस्राइली विदेश मंत्री बोले- दुनिया के देश फैसला करें कि आप इस्राइल के साथ या जिहादियों के साथ इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने यरुशलम हमले को लेकर कहा कि हम कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में हैं। यूरोप, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हर देश को फैसला करना होगा कि क्या वे इस्राइल के साथ हैं या फिर जिहादियों के साथ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस्राइल में हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है। प्रधानमंत्री ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को टैग करते हुए एक्स पर कहा, भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की अपनी नीति पर दृढ़ है।

ब्रिटिश सांसद ने कहा- बलात्कारी पाकिस्तानियों को बाहर निकालो

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इन दिनों पाकिस्तानी मूल के बलात्कारियों और अपराधियों को लेकर तीखी बहस देखने को मिल रही है। एक सांसद ने ब्रिटिश सरकार से मांग करते हुए कहा है कि सभी पाकिस्तानी अपराधियों को देश से बाहर निकाला जाना चाहिए। ग्रेट यारमाउथ से सांसद रूपर्ट लोव ने कहा है कि किसी भी पाकिस्तानी को वीजा नहीं देना चाहिए। रूपर्ट ने पिछले लंबे समय से ब्रिटेन में आने वाले पाकिस्तानी मूल के लोगों के खिलाफ अभियान छेड़ा हुआ है।

उन्होंने हाल ही में एक जांच रिपोर्ट शेयर की थी जिससे ब्रिटेन में सनसनी फैल गई। सांसद ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में ऐसे 85 इलाके हैं, जहां पाकिस्तानी बलात्कारियों का गैंग सक्रिय है और भोली-भाली बच्चियों को शिकार बनाता रहा है। निर्दलीय सांसद रूपर्ट लोव द्वारा की गई इस जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि इन बलात्कार गिरोह में मुख्यतः पाकिस्तानी मूल के पुरुष शामिल हैं और ये घिनौनी हरकतों को अंजाम देने में दशकों से सक्रिय हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भी रूपर्ट लोव की जांच का समर्थन करते हुए ब्रिटिश सरकार पर निशाना साधा था।

पाकिस्तानियों पर क्या बोले रुपर्ट लोव? रुपर्ट लोव ब्रिटेन की संसद में एक प्रभावशाली आवाज हैं। अब उन्होंने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगर सरकार अपनी निर्वासन की धमकियों को गंभीरता से ले रही है, तो पाकिस्तान से शुरूआत करें। जब तक वे निर्वासित बलात्कारी/अपराधी को स्वीकार नहीं कर लेते, तब तक पाकिस्तान को एक भी वीजा जारी न करें। इसके साथ ही, पाकिस्तान को भेजी जाने वाली विदेशी सहायता की पाई-पाई को बंद करें। यह बहुत मुश्किल काम नहीं है। इस बयान का संदर्भ ब्रिटेन की नई गृह मंत्री शबाना महमूद की हालिया घोषणा से जुड़ा है। दरअसल शबाना महमूद खुद पाकिस्तानी मूल की मुस्लिम सांसद हैं और कुछ दिन पहले ही उन्हें ब्रिटेन का नया गृह मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि वे उन देशों के खिलाफ वीजा निलंबन जैसे सख्त कदम उठाएंगी, जो अपने अवैध और अपराधी नागरिकों को वापस लेने से इनकार करते हैं। इसके अलावा, सांसद ने ब्रिटेन में हलाल मीट पर भी बैन लगाने की मांग की है। उन्होंने इसे एक राष्ट्रीय घोटाला बताया। उन्होंने कहा कि रिस्टोर ब्रिटेन को ऐसी रिपोर्टें मिल रही हैं।

घटती आबादी से चिंतित ग्रीस के प्रधानमंत्री का ऐलान- 4 बच्चे हैं तो नहीं लगेगा टैक्स, 1.6 अरब यूरो का राहत पैकेज

एथेंस, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी यूरोपीय देश ग्रीस ने घटती आबादी से परेशान होकर जनसंख्या बढ़ाने के मकसद से 1.6 अरब यूरो के पैकेज का ऐलान किया है। इस पैकेज में सरकार ने अधिक बच्चे पैदा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए टैक्स में छूट देने के अलावा अन्य उपायों की भी घोषणा की है। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने रविवार को नई नीतियों की घोषणा करते हुए कहा कि 1.6 अरब यूरो (16,563 करोड़ रुपये) का राहत पैकेज देश की मौजूद सबसे बड़ी चुनौती यानी घटती जनसंख्या से निपटने के लिए तैयार किया गया है।

जनसंख्या आंकड़ों के हिसाब से भूमध्यसागरीय देश ग्रीस यूरोप का सबसे बूढ़ा देश बनने की कगार पर है। लिहाजा, वहां की सरकार ने आबादी बढ़ाने के मकसद से नए उपायों की घोषणा की है। नए नियमों में कहा गया है कि अगर किसी परिवार में चार बच्चे हैं तो उसे टैक्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा। यानी उस परिवार को टैक्स नहीं देना होगा। नए नियम 2026 से लागू होंगे। नई नीति में कहा गया है कि जिन बस्तियों में आबादी 1500 से कम है, वहां के लोगों को अन्य टैक्स से भी छूट दी जाएगी और इससे होने वाले घाटे को राजकोष से पूरा किया जाएगा।

अधिक बच्चे पैदा करने वालों को पुरस्कार : द गार्डियन के मुताबिक प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने नीतियों की घोषणा के बाद कहा, हम जानते हैं कि अगर आपका कोई बच्चा नहीं है तो जीवनयापन की लागत एक बात है और अगर आपके दो या तीन बच्चे हैं तो दूसरी बात है। इसलिए, एक देश के रूप में हमें अपने उन नागरिकों को पुरस्कृत करने का कोई तरीका खोजना चाहिए जो अधिक बच्चे पैदा करने का विकल्प चुनते हैं।

इसके साथ ही मित्सोटाकिस ने कहा कि नए उपाय के तहत सभी वर्गों को दो फीसदी कर कटौती का लाभ दिया जाएगा लेकिन जिनके पास चार बच्चे हैं और कम आय वाले परिवार हैं तो उन्हें जीरो टैक्स नीति का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि नए कर लाभ 2026 में लागू किए जाएंगे। उन्होंने इस पैकेज को ग्रीस में 50 से अधिक वर्षों में लागू किया गया सबसे साहसिक कर सुधार बताया है। ये नीतियाँ जनसंख्या समस्या से निपटने के लिए दक्षिणपंथी सरकार द्वारा की गई अन्य पहलों पर आधारित हैं। ग्रीस में प्रजनन दर यूरोप में सबसे कम दरअसल, पर्यटन की दृष्टि से खूबसूरत ग्रीस में प्रजनन दर यूरोप में सबसे कम है। वहां प्रति महिला 1.4 बच्चों का प्रजनन दर है जो औसत प्रजनन दर 2.1 से काफ़ी नीचे है। प्रधानमंत्री मित्सोताकिस ने इस समस्या को राष्ट्रीय ख़तरा बताया है। यूरोस्टेट के अनुसार, ग्रीस की जनसंख्या वर्तमान 1.02 करोड़ है जो 2050 तक घटकर 80 लाख से भी कम हो जाएगी। इनमें भी 36% आबादी 65 वर्ष से अधिक आयु की होगी। जनसंख्या में भारी गिरावट की बात को स्वीकार करते हुए वहां के वित्त मंत्री किरियाकोस पियराकाकिस ने कहा कि यह उनके अस्तित्व पर एक बड़ा खतरा है।

आर्थिक संकट से बिगड़े हालात उन्होंने कहा कि 15 साल पहले देश में आर्थिक संकट शुरू होने के बाद से प्रजनन दर आधी हो गई है।उन्होंने कहा कि हमारी नई टैक्स नीति और अन्य नीतिगत सुधार इस समस्या से निपटने में मदद करेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हार्दिक पटेल विधानसभा में सवाल पूछ रहे थे और उसी दौरान गिरफ्तारी वारंट की खबर

अहमदाबाद के निकोल में वर्ष 2018 में PAAS आंदोलन के समय दर्ज हुआ था केस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भाजपा विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ अहमदाबाद ग्रामीण अदालत ने 2018 के एक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। 2018 में अहमदाबाद के निकोल इलाके में पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (PAAS) के आंदोलन के दौरान हार्दिक पटेल समेत पास नेताओं पर केस दर्ज किया गया था। इस मामले की अदालत की तारीखों पर हार्दिक पटेल बार-बार गैरहाजिर रहते थे, जिस कारण अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। हालांकि, जब यह खबर आई उस समय हार्दिक पटेल विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल में सवाल पूछ रहे थे।

वर्ष 2018 में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान निकोल पुलिस स्टेशन में पाटीदार नेता और वर्तमान वीरमगाम विधायक हार्दिक पटेल सहित आरोपियों के खिलाफ IPC की धारा 143, 147, 149, 353, 188, 186, 120, 294, 34 और 506 के तहत मामला दर्ज हुआ था। यह केस अहमदाबाद ग्रामीण अदालत में चल रहा है और फिलहाल आरोप तय करने की स्टेज पर है। लेकिन आरोपी की अदालत में अनुपस्थिति के चलते वर्तमान वीरमगाम विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

गौरतलब है कि पाटीदार आरक्षण आंदोलन के समय हार्दिक पटेल समेत नेताओं ने पाटीदारों को आरक्षण देने और किसानों का कर्ज माफ करने की मांग के साथ निकोल में प्रतीक उपवास का आयोजन किया था। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने बिना अनुमति और पूर्व नियोजित साजिश के तहत रैली निकालकर निकोल के म्युनिसिपल ग्राउंड में प्रतीक उपवास करने का निश्चय किया था। जब रैली को रोका गया तो वे भड़क उठे। आरोपियों ने पुलिस को गाली-गलौज की, हाथापाई की, धमकियां दीं और पुलिस कमिश्नर के आदेश का उल्लंघन किया।

वर्तमान में विधानसभा सत्र चल रहा है, इसलिए विधायक हार्दिक पटेल वहां मौजूद थे। वह इस कारण को अदालत के समक्ष रख सकते हैं।

सूरत के गणेश पंडाल में 5 दिन पहले का वीडियो

पुलिस ने अल्पेश कथीरिया को धक्का देकर बाहर निकाला, समर्थकों पर डंडे बरसाए पुलिस और पाटीदार नेता के बीच झड़प

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके में 5 सितंबर को गणेश महोत्सव के दौरान गरमा-गरमी का माहौल बन गया था। गणपति के स्टेज पर बैठने को लेकर पाटीदार नेता अल्पेश कथीरिया और सुदामा चौक के राजा के आयोजकों के बीच बड़ा विवाद हो गया था। इस विवाद के दौरान कथीरिया और उनके समर्थकों ने पुलिस से भी भिड़ंत की थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसी वजह से यह घटना भारी चर्चा का विषय बन गई।

सूत्रों के अनुसार, गणेश महोत्सव के दौरान स्टेज पर बैठने को लेकर अल्पेश कथीरिया और गणेश पंडाल के आयोजकों के बीच विवाद हुआ। यह विवाद इतना बढ़ गया कि कथीरिया और उनके समर्थक पुलिस से भी उलझ गए। वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कथीरिया और कुछ युवक पुलिस से तीखी बहस कर रहे हैं और स्थिति को काबू में लेने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

बवाल बढ़ने पर पुलिस ने हालात नियंत्रित करने के लिए अल्पेश कथीरिया समेत युवकों पर लाठीचार्ज किया। इस घटना के बाद दोनों पक्षों को उतरण पुलिस थाने ले जाया गया। हालांकि, समाज के अग्रणियों के हस्तक्षेप के बाद किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई, जिसके चलते मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इस घटना से पहले अल्पेश कथीरिया पर फोन पर आयोजक को धमकी देने का भी आरोप लगा था। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में पुलिस और नेता के बर्ताव को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। गणेश महोत्सव जैसे पवित्र त्योहार के दौरान हुई इस उग्र झड़प ने सूरत के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भारी चर्चा पैदा कर दी है।

वापी कोर्ट से कैदी के भागने की कोशिश

नवसारी जेल का कैदी हाथकड़ी निकालकर भागा, पुलिस ने तुरंत पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी कोर्ट परिसर में एक कैदी ने पुलिस बंदोबस्त से भागने की कोशिश की। नवसारी सब-जेल में बंद सलाउद्दीन अनवरउद्दीन चिश्ती (कैदी नंबर 2118) को जमानत अर्जी की सुनवाई के लिए वापी कोर्ट लाया गया था।

कोर्ट परिसर में सरकारी बस से उतारते समय आरोपी ने चालाकी से हाथकड़ी निकाल दी। उसने कैदी बंदोबस्त में लगे पुलिसकर्मी को धक्का देकर भागने की कोशिश की। हालांकि, सतर्क पुलिस जवानों ने उसे तुरंत पकड़ लिया।

इस घटना को लेकर वापी टाउन पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है। आगे की जांच की जिम्मेदारी एएसआई शंभुभाई सोमा भाई को सौंपी गई है। यह घटना कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उल्लेखनीय है कि आरोपी वापी की डुंगरा पुलिस द्वारा पकड़ी गई घरफोड़ चोर गैंग के चार सदस्यों में से एक है।

सूरत को हेलमेट से मुक्ति दिलाने की मांग

सूरत लूट की दुकान बन जाने का कांग्रेस का आरोप, गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी को पत्र लिखकर मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर कांग्रेस ने शहर में हेलमेट कानून को समाप्त करने की मांग की है। कांग्रेस ने गुजरात के गृहमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि सूरत को हेलमेट से मुक्ति दी जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकारी अधिकारियों के लिए सूरत शहर लूट की दुकान बन गया है और ट्रैफिक पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर लूट चलाई जा रही है।

सूरत कांग्रेस के प्रमुख नेता विपुल उधनावाला द्वारा गृहमंत्री को लिखे गए पत्र में बताया गया है कि राजकोट के बाद सूरत में भी हेलमेट कानून का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। शहर के भारी ट्रैफिक और खराब सड़कों के कारण हेलमेट पहनने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, हेलमेट के नाम पर आम लोगों से भारी जुर्माना वसूला जा रहा है, जिसके चलते उन्हें सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है। सूरत के साथ सौतेले बेटे जैसा व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

कांग्रेस ने गृहमंत्री से अनुरोध किया है कि सूरत में भी हेलमेट के इस अन्यायी कानून को समाप्त किया जाए और जनता को राहत दी जाए। अगर यह मांग पूरी नहीं होती है तो कांग्रेस को जनता के हित में आंदोलन करना पड़ेगा। कांग्रेस ने कहा कि एक ही राज्य में कानून का अलग-अलग पालन होना भाजपा सरकार की नाकामी का सबूत है।

उम्र में 10 साल बड़ी विवाहित महिला को प्रेमजाल में फंसाया

32 वर्षीय विवाहित महिला का दो साल तक शोषण किया 22 वर्षीय युवक ने,पुलिस शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कापोद्रा इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 22 वर्षीय युवक ने अपनी ही सोसायटी में रहने वाली और उससे 10 साल बड़ी 32 वर्षीय विवाहित महिला को प्रेमजाल में फंसाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बलात्कार किया। शादी का झांसा देकर दो साल तक उसका शोषण करने के बाद जब युवक ने शादी से इंकार कर दिया, तो पीड़िता विवाहित महिला ने आखिरकार कापोद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

कापोद्रा के नाना वराछा इलाके की कल्याण कुटीर सोसायटी में रहने वाला 22 वर्षीय फेनिल दिनेशभाई अणघण एम्ब्रॉयडरी के व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। उसने अपनी ही सोसायटी में रहने वाली 32 वर्षीय विवाहित महिला से दोस्ती की। धीरे-धीरे उसने महिला को अपने प्रेमजाल में फंसाया और शादी का लालच दिया। इस लालच में आकर महिला फेनिल के साथ संबंध बनाने के लिए तैयार हो गई। इसके बाद फेनिल अक्सर महिला को उधना इलाके के होटलों में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता और उसका शोषण करता रहा।

दो साल तक शारीरिक शोषण करने के बाद जब महिला ने फेनिल से शादी करने की बात कही, तो उसने शादी से साफ इंकार कर दिया। पीड़ित महिला ने तुरंत कापोद्रा पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर फेनिल दिनेशभाई अणघण के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की आगे की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

वेसु के सी.ए. के साथ नवसारी में रहने वाले मित्र ने ही 40 लाख रुपए की ठगी की।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:सूरत के वेसु क्षेत्र में रहने वाले युवा सी.ए. के साथ नवसारी में रहने वाले और आरएमसी का व्यवसाय करने वाले मित्र ने 40 लाख रुपए की ठगी की शिकायत महींधरपुरा पुलिस थाने में दर्ज कराई है। नवसारी के आशानगर में रहने वाले युवक ने आरएमसी प्लांट लगाने और फ्लैट का दस्तावेज करने के लिए सी.ए. मित्र से 30 लाख रुपए लिए थे, जो वापस नहीं किए। बाद में सी.ए. मित्र को पैसे लौटाने के बजाय युवक ने कहा कि वह उसके नाम पर नई कार खरीदने के लिए लोन करवा दे और डाउन पेमेंट के 10 लाख रुपए ले लिए। इसके बाद उसने कहा कि कार का लोन पास नहीं हुआ।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के वेसु वीआईपी रोड स्थित शांता गोदावरी बंगलोज़, बंगला नंबर-11 में रहने वाले 34 वर्षीय सी.ए. प्रितभाई शैलेषकुमार झवेरी का महींधरपुरा गोपाल लोचन के सामने महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर एस.एम. झवेरी एंड कंपनी के नाम से ऑफिस है। नवसारी आशानगर नागतलावडी राजविहार अपार्टमेंट ए विंग, फ्लैट नंबर-401 में रहने वाले और आरएमसी (रेडी मिक्स कॉन्क्रीट) का धंधा करने वाले अंकितभाई महेंद्रभाई शाह पिछले सात साल से उनके मित्र थे।

अक्टूबर 2020 में उन्होंने सचिन के पास आरएमसी प्लांट लगाने के लिए 30 लाख रुपए मांगे, तो प्रितभाई ने उन्हें किस्तों में 26 लाख रुपए दिए। वर्ष 2023 में जब प्रितभाई ने 26 लाख रुपए वापस मांगे, तो अंकितभाई ने कहा कि वह वेसु के अपने फ्लैट का दस्तावेज करने के लिए 4 लाख रुपए दे दें, बाद में फ्लैट बेचकर 30 लाख रुपए चुका देंगे। लेकिन पैसे लेने के बाद भी उन्होंने 30 लाख रुपए लौटाए नहीं।

वर्ष 2024 में प्रितभाई को फॉर्च्यूनर कार खरीदनी थी। तब उन्होंने अंकितभाई से 30 लाख रुपए मांगे, तो अंकितभाई ने कहा कि पैसे की सुविधा नहीं है, यदि कार लेनी है तो उनके नाम पर लोन करवा सकते हैं और वह सारे हफ्ते चुकाएंगे। इस पर प्रितभाई ने कार के डाउन पेमेंट के 10 लाख रुपए दिए। लेकिन पैसे लेने के बाद अंकितभाई ने अपने नाम पर दूसरी कार खरीद ली और प्रितभाई से कहा कि उनकी लोन पास नहीं हुई।

आखिरकार प्रितभाई ने आज अंकितभाई शाह के खिलाफ महींधरपुरा पुलिस थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

आरएमसी का व्यवसाय करने वाले अंकित शाह ने प्लांट लगाने और फ्लैट का दस्तावेज करने के लिए सी.ए. मित्र प्रित झवेरी से 30 लाख रुपए लिए थे, जो उसने लौटाए नहीं।

सी.ए. प्रित झवेरी को पैसे लौटाने के बजाय अंकित शाह ने उससे कहा कि वह उसके नाम पर नई कार खरीदने के लिए लोन करवा दे और डाउन पेमेंट के 10 लाख रुपए ले लिए।

आरोपी कोर्ट परिसर से फरार

दीपेन पटेल हत्या केस का मुख्य आरोपी हार्दिक प्रजापति वडोदरा कोर्ट परिसर से पुलिस बंदोबस्त से भाग निकला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर के हरणी पुलिस थाने की सीमा में आने वाले दरजीपुरा न्यू आरटीओ इलाके में हुए चर्चित दीपेन पटेल हत्या केस के मुख्य आरोपी को कोर्ट पेशी के लिए लाया गया था। जहां वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया, जिससे सनसनी मच गई। इस मामले में अकोटा पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

वडोदरा शहर के दरजीपुरा न्यू आरटीओ के पास रहने वाले 29 वर्षीय दीपेन मुकेशभाई पटेल 7 मई से लापता थे। उनके पिता ने हरणी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। देर रात अनगढ़ गांव स्थित महिसागर नदी से दीपेन की सफेद स्विफ्ट कार बरामद हुई थी। उसके बाद अगली रात कोल की नहर से डिकम्पोज अवस्था में एक अज्ञात शव मिला। शव पर बने टैटू से दीपेन पटेल की पहचान उनके परिवारजनों ने की थी।

गायब होने के पांचवें दिन दीपेन पटेल की कार महिसागर नदी से मिली थी।

हालांकि, दीपेन का कोई पता नहीं चल पाया था। इस मामले में हरणी पुलिस के साथ-साथ क्राइम ब्रांच और पीसीबी की टीमें भी जांच में जुटी थीं। इसी दौरान वडोदरा क्राइम ब्रांच ने शक के आधार पर हार्दिक प्रजापति को हिरासत में लिया और उससे कड़ी पूछताछ शुरू की।

इस बीच कालोल की नारणपुरा नहर में एक शव मिला। कालोल पुलिस ने इसकी जानकारी हरणी पुलिस को दी। शव डिकम्पोज स्थिति में था, इसलिए पहचान मुश्किल थी। वडोदरा पुलिस टीम दीपेन के परिवार को लेकर वहां पहुंची और शव की पहचान कराई।

क्राइम ब्रांच में पूछताछ के दौरान संदिग्ध हार्दिक प्रजापति ने स्वीकार किया कि उसने ही दीपेन की हत्या की है। गहन जांच में हार्दिक के बड़े भाई हितेष की भी संलिप्तता सामने आई, जिसके चलते पुलिस ने उससे भी पूछताछ की।

फिलहाल आरोपी हार्दिक प्रजापति कोर्ट परिसर से पुलिस बंदोबस्त से फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अकोटा पुलिस आगे की जांच कर रही है और आरोपी को पकड़ने के लिए चक्र तेज कर दिए गए हैं।

जॉली LLB-3 फिल्म और टीज़र पर स्टे की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के याचिकाकर्ता ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की, न्यायाधीश को अनुचित तरीके से चित्रित करने का आरोप अक्षय कुमार की अपकमिंग मूवी जॉली एलएलबी-3 के टीज़र में न्यायाधीश को अनुचित तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने फिल्म और उसके टीज़र पर स्टे लगाने की मांग की है। इसमें सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC), निर्देशक सुभाष कपूर, कलाकार अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला को पक्षकार बनाया गया है। इस मामले पर अगली सुनवाई कल होगी।

मिली जानकारी के अनुसार, जॉली LLB-3 फिल्म और उसके टीज़र को दिए गए सर्टिफिकेट को भी याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही, फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म का टीज़र न्यायिक कार्यवाही को हास्यास्पद ढंग से पेश करता है और इससे अदालत की गरिमा कम होती है। हालांकि फिल्म का टीज़र रिलीज़ हो चुका है और फिल्म 19 सितंबर को रिलीज़ होने वाली है।

सूरत पालिका की स्कूलों में प्रतिपूरक छुट्टी और शिक्षकों की कमी के बीच एक शिक्षक दो या अधिक कक्षाओं को संभाल रहे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में कई कार्यक्रम छुट्टी के दिनों में आयोजित किए जाते हैं और उन दिनों उपस्थित रहने वाले शिक्षकों को प्रतिपूरक छुट्टी दी जाती है, जिसके कारण वर्तमान में कई स्कूलों में कक्षाओं पर असर देखा जा रहा है। सूरत के कई स्कूलों में ऐसी स्थिति है कि एक शिक्षक दो या उससे अधिक कक्षाएं संभाल रहे हैं, जिसका असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है।

सूरत पालिका संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति पिछले दो महीनों से त्योहारों की, विभिन्न गतिविधियों और सरकारी कार्यक्रमों में व्यस्त दिखाई दे रही है। च्हर घर तिरंगाज़, स्वतंत्रता दिवस समारोह, शिक्षक दिवस समारोह तथा अन्य सरकारी कार्यक्रमों में जिन शिक्षकों को उपस्थित रहना होता है, उन्हें प्रतिपूरक छुट्टी दी जाती है। इस दौरान वर्तमान में शिक्षकों का प्रशिक्षण चल रहा है, कुछ शिक्षक छुट्टी पर हैं और कुछ प्रतिपूरक छुट्टी ले रहे हैं, जबकि कई शिक्षक प्रशिक्षण में व्यस्त हैं। ऐसे में सूरत के कई स्कूलों में एक शिक्षक कई बार दो या उससे अधिक कक्षाएं संभाल रहे हैं।

जब एक शिक्षक के पास दो या उससे अधिक कक्षाएं होती हैं तो दिन का आधा समय तो बच्चों की हाजिरी लेने में ही निकल जाता है। इसके अलावा जब वह एक कक्षा की उपस्थिति दर्ज करते हैं तो बाकी कक्षा में शिक्षक मौजूद नहीं रहते। ऐसी स्थिति में जब शिक्षक दो से अधिक कक्षाएं संभालते हैं तो बच्चों को शिक्षा कैसे और किस गुणवत्ता की मिल रही होगी, यह सिर्फ कल्पना का विषय है। इसलिए शिक्षकों की भर्ती करने और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों को कम करने की लगातार मांग उठ रही है।